तापमान
अधिकतम 39.0 डिग्री
न्यूनतम 27.0 डिग्री

हरिभूमि
जींद-कैथल भूमि

रोहतक, रविवार 3 मई 2026

10 हीट स्ट्रोक से बचाव को लेकर स्पेशल वार्ड बनाया

10 लक्ष्य की प्राप्ति के लिए लगन-मेहनत जरूरी

खबर संक्षेप

ट्रैक्टर की टक्कर में बाइक चालक घायल

जुलाना। जुलाना क्षेत्र के बख्ता खेड़ा गांव में ट्रैक्टर और बाइक की टक्कर में बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। इसकी शिकायत पुलिस को दी गई। पुलिस ने आरोपी ट्रैक्टर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव बख्ताखेड़ा गांव निवासी संगीत ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 12 अप्रैल को ट्रैक्टर चालक ने उसकी बाइक को टक्कर मार दी। जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात चालक के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

निडाना में खेत से सोलर पैनल चोरी, मामला दर्ज

जुलाना। जुलाना क्षेत्र के निडाना गांव के खेत से सोलर पैनल चोरी हो गए। इसकी शिकायत पुलिस को दी गई। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। निडाना गांव निवासी अनिल कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि गत 25 अप्रैल की रात को उसके खेत से सोलर पैनल चोरी हो गए। काफी तलाश के बावजूद चोरों का कोई सुराग नही लगा। पुलिस ने शिकायत के आधार पर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

12 ग्राम हेरोइन के साथ दो नशा तस्कर गिरफ्तार

जींद। चमेला कालोनी नरवाना के पास बडनपुर रोड पर सीआईए स्टाफ नरवाना की टीम ने 12 ग्राम हेरोइन के साथ दो नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस नशा तस्करों से नशा नेटवर्क के बारे में पूछताछ कर रही है। सीआईए प्रभारी उप निरीक्षक सुखदेव सिंह ने शनिवार को जानकारी देते हुए बताया कि उनकी टीम मेला मंडी नरवाना में मौजूद थी। तभी सूचना मिली कि दो नशा तस्कर मोटरसाइकिल पर चमेला कालोनी नरवाना में हेरोइन खरीद कर बाईपास रोड की तरफ जाएंगे।

240 बोतल देसी शराब सहित आरोपी दबोचा

कैथल। स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट द्वारा पूंडरी क्षेत्र से एक आरोपी को 240 बोतल देसी शराब सहित काबू किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट प्रभारी इंस्पेक्टर सुनील कुमार की अगुवाई में ए.एस.आई. बलकार सिंह की टीम द्वारा एक गुप्त सूचना के आधार पर पुंडरी स्थित एक दुकान पर दबिश देकर आरोपी पुंडरी निवासी संजीव उर्फ नोनी को काबू कर लिया गया। जांच दौरान आरोपी के कब्जे में दुकान से 20 गत्ता पेटियों से कुल 240 बोतल देसी शराब बरामद हुई।

हनीट्रैप में फंसाकर पैसे ऐंठने का आरोपी दबोचा

कैथल। एक व्यक्ति को हनीट्रैप में फंसाकर पैसे ऐंठने के मामले में कार्रवाई करते थाना चीका पुलिस प्रभारी एसआई प्रवीन की अगुवाई में एएसआई प्रभात सिंह की टीम द्वारा आरोपी वार्ड नं 4 चीका निवासी सागर को काबू कर लिया। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि थाना चीका अंतर्गत गांव निवासी व्यक्ति की शिकायत अनुसार खेती बाड़ी का काम करता है। उसकी गांव निवासी महिला सुखदेव कौर के साथ 2 साल से जान पहचान थी।

अनूपगढ़ के खेतों में लगे ट्रांसफार्मर से तेल चोरी

जींद। गांव अनूपगढ़ के किसान प्रेम सिंह के खेत में बिजली निगम द्वारा रखे गए ट्रांसफार्मर से चोरों ने 100 लीटर तेल चोरी कर ले गए। पुलिस ने बिजली निगम के एसडीओ की शिकायत पर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में बिजली निगम जुलाना ब्लाक के एसडीओ ने कहा कि निगम के गांव अनूपगढ़ के किसान प्रेम सिंह के खेत में बिजली का 25 केवीए का ट्रांसफार्मर रखा था। सात अप्रैल को अज्ञात लोग इस ट्रांसफार्मर से 100 लीटर तेल चोरी कर ले गए। सदर थाना पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

जींद में छह केंद्रों पर 2931 परीक्षार्थी देंगे परीक्षा, हर केंद्र पर 21 पुलिसकर्मियों की रहेगी तैनाती

कड़े सुरक्षा प्रबंधों के बीच नीट परीक्षा आज

पेट्रोलिंग पार्टियां, साइबर टीमें रखेंगी विशेष निगरान

जिलेभर में 15 नाके स्थापित किए, प्रतिबंधित वस्तुओं पर पाबंधी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ जींद

रविवार तीन मई को आयोजित होने वाली नीट परीक्षा को लेकर जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। परीक्षा को लेकर जिला में कुछ छह परीक्षा केंद्र स्थापित किए गए हैं। परीक्षा दोपहर दो बजे शुरू होगी और पांच बजकर 20 मिनट पर खत्म होगी। परीक्षार्थी को आधा घंटा पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचना होगा। जहां 2931 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। सभी परीक्षा केंद्रों पर पेयजल, शौचालय, बैठने की उचित व्यवस्था और साफ.-सफाई का विशेष ध्यान रखा गया है। सभी परीक्षा केंद्रों पर पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। बाकायदा परीक्षा को लेकर परिवहन विभाग द्वारा स्पेशल बसें भी चलाई गई हैं। वहीं स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी परीक्षा केंद्रों पर प्राथमिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध करवाई जाएगी तथा किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए मेडिकल टीम तैयार रहेगी। परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए सीसी टीवी निगरानी, बायोमेट्रिक सत्यापन तथा अन्य आवश्यक तकनीकी प्रबंध सुनिश्चित किए गए हैं। परीक्षा शांतिपूर्णए निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए आसपास फोटो स्टेट की दुकानों को बंद रखने के लिए कहा गया है। परीक्षा के दिन समय पर केंद्र पर पहुंचना बेहद जरूरी है। क्योंकि बायोमैट्रिक वेरिफिकेशन सहित अन्य प्रक्रियाएं समय पर पूरी करनी होंगी। परीक्षार्थी अपने साथ केवल एडमिट कार्ड और वैध पहचान पत्र ही लेकर जा सकेंगे। कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, गैजेट या अन्य प्रतिबंधित वस्तु परीक्षा केंद्र में ले जाने की अनुमति नहीं होगी। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा की दृष्टि से एक निरीक्षक व तीन महिला पुलिस कर्मियों सहित कुल 21 पुलिसकर्मियों की विशेष तैनाती की गई है। वहीं पांच प्रमुख लोकेशनों पर तीन उप पुलिस अधीक्षक स्तर के अधिकारी निगरानी एवं समन्वय के लिए नियुक्त किए गए हैंए जो पूरे सिस्टम पर सतत नजर बनाए रखेंगे। इसके अतिरिक्त, जिले में पांच पेट्रोलिंग पार्टियां गठित की गई हैं। जिनमें प्रत्येक पार्टी में चार पुलिसकर्मी एवं दो असलाहधारी जवान शामिल हैं। ये टीमें लगातार क्षेत्र में गश्त कर किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह सतर्क रहेंगी। परीक्षा सुचारु रुप से करवाने के लिए साइबर टीम कि अलग से तैनाती कि गई है। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए जिलेभर में 15 नाके (चेकिंग प्वायंट) स्थापित किए हैं। जिन पर प्रत्येक स्थान पर पांच-पांच पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है।

जींद। सीआरएसयू जहां नीट परीक्षा को लेकर दो परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

व्यवस्था को सफल बनाने में भागीदारी निभाएं

पुलिस अधीक्षक कुलदीप सिंह ने कहा कि जिले में नीट परीक्षा को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष एवं सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए पुख्ता प्रबंध किए गए है। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर पर्याप्त पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तैनाती सुनिश्चित की गई है। जींद पुलिस आमजन से भी अपील करती है कि वे प्रशासन का सहयोग करें एवं यातायात नियमों का पालन करते हुए परीक्षा व्यवस्था को सफल बनाने में अपनी भागीदारी निभाएं।

अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए छह बसों की व्यवस्था की

दूसरी जगह से आने वाले परीक्षार्थियों को समय पर केंद्र तक पहुंचाने के लिए छह रोडवेज बसों की व्यवस्था की गई है। अभ्यर्थियों की संख्या अधिक होने पर बसों की संख्या में इजाफा भी हो सकता है। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए बस के शीशे पर परीक्षा केंद्र का स्टीकर चस्पा किया जाएगा। जो अभ्यर्थियों को निर्धारित समय पर परीक्षा केंद्र तक लेकर जाएंगी। परीक्षा समाप्त होने के बाद रोडवेज बस अभ्यर्थियों को बस स्टैंड तक लेकर जाएंगी। परीक्षा समाप्त होने से 15 मिनट पहले बस केंद्र पर पहुंच जाएगी।

संदिग्ध गतिविधियों पर रखी जाएगी कड़ी निगरानी

इन नाकों के माध्यम से संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। इसके अलावा परीक्षा केंद्र के आसपास भीड़भाड़ एवं जाम की स्थिति से बचने के लिए पार्किंग व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया है जिसके लिए अतिरिक्त पुलिसकर्मियों को नियुक्त किया गया है। साथ ही प्रत्येक केंद्र पर ड्यूटी मजिस्ट्रेट की नियुक्ति भी सुनिश्चित की है ताकि प्रशासनिक स्तर पर किसी भी प्रकार की स्थिति को तुरंत नियंत्रित किया जा सके। सिविल ड्रेस में भी पर्याप्त संख्या में महिला व पुरुष पुलिस बल की ड्यूटी लगाई गई है। जिससे संपूर्ण व्यवस्था पर प्रभावी नियंत्रण बना रहे।

कैथल: 5 केंद्रों पर 100 पुलिस कर्मचारी तैनात

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कैथल

जिले में आज रविवार को होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा – नीट- के सफल, शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित करने हेतु कैथल पुलिस द्वारा व्यापक स्तर पर सुरक्षा एवं यातायात प्रबंधन के पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक मनप्रीत सिंह सूदन के दिशा-निर्देशानुसार जिले के सभी परीक्षा केंद्रों पर विशेष सुरक्षा व्यवस्था लागू की गई है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि जिले में बनाए गए कुल 5 परीक्षा केंद्रों पर लगभग 100 पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है, जो परीक्षा के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के साथ-साथ परीक्षार्थियों को हर संभव सहायता प्रदान करेंगे। यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने के लिए यातायात थाना प्रभारी को विशेष निर्देश दिए गए हैं कि परीक्षार्थियों के वाहनों की पार्किंग निर्धारित स्थलों पर ही करवाई जाए तथा परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की जाम की स्थिति उत्पन्न न होने दी जाए। मुख्य मार्गों पर पुलिस की तैनाती सुनिश्चित कर निर्बाध यातायात संचालन को प्राथमिकता दी गई है। परीक्षार्थियों एवं उनके अभिभावकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सहायता हेतु विशेष संपर्क नंबर जारी किए गए हैं। किसी भी प्रकार की सहायता के लिए डीएसपी सुशील प्रकाश के मोबाइल नंबर 9053052105 तथा डीएसपी रमेश चंद्र के मोबाइल नंबर 9053052101 से संपर्क किया जा सकता है।

समय से पहले पहुंचे

पुलिस ने परीक्षार्थियों एवं अभिभावकों से अपील की है कि वे समय से पहले परीक्षा केंद्र पर पहुंचे, यातायात नियमों का पालन करें तथा किसी भी प्रकार की परेशानी होने पर तुरंत पुलिस से संपर्क करें। कैथल पुलिस द्वारा आश्वस्त किया गया है कि किसी भी परीक्षार्थी या उनके परिजनों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होने दी जाएगी तथा परीक्षा का आयोजन शांतिपूर्ण वातावरण में संपन्न कराया जाएगा।

ट्रैक्टर चालक ने सड़क किनारे बैठे व्यक्ति को कुचला, टांग कटी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कैथल

ढांड में ट्रैक्टर ड्राइवर ने सड़क पर बैठे युवक को कुचल दिया। ट्रैक्टर का पहिया टांग के ऊपर से निकल गया, इलाज के लिए पीजीआई रेफर किया, जहां पर टांग काटनी पड़ी। गांव म्योली के जसविन्द्र ने ढांड पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह खेतीबाड़ी का काम करता है। शुक्रवार को अपनी गेहूं बेचने के लिए अदानी साइलो ढांड गया हुआ था और अपनी बारी का इंतजार कर रहा था। वह सड़क किनारे अपनी ट्राली के पीछे कुछ दूरी पर अपनी दिशा में बैठा हुआ था। समय करीब 6 बजे एक ट्रैक्टर ट्राली ड्राइवर कैथल की तरफ से आया और अपने वाहन को उसके पीछे रोक दिया। थोड़ी देर बाद बिना किसी सहायक के अपने ट्रैक्टर ट्राली को आगे-पीछे करने लगा। उसके ट्रैक्टर ट्राली का पहिया उसकी बाईं टांग को कुचलता हुआ निकल गया। आरोपी ने मौके पर ट्रैक्टर ट्राली को रोक लिया। मौके पर राहगीर भी इकट्ठा हो गए। ट्रैक्टर ड्राइवर अपनी ट्रैक्टर ट्राली को लेकर भाग गया। राहगीरों ने उसे कैथल के एक निजी अस्पताल में पहुंचाया, जहां से उसे पीजीआई रेफर कर दिया गया। एक्सीडेंट में लगी चोटें के कारण ही उसकी टांग को काट दिया गया।

मामला दर्ज

ढांड थाना के जांच अधिकारी नरेंद्र कुमार ने बताया कि पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सफाईकर्मियों की हड़ताल से फैला हर जगह कचरा

- वार्डवासी कचरा फेंकने के लिए करते रहे गाड़ी का इंतजार

हरिभूमि न्यूज ▸▸ जींद

नगर पालिका कर्मचारी संघ के आह्वान पर शनिवार को दूसरे दिन भी सफाई कर्मचारियों ने अपनी हडताल को जारी रखा। हड़ताल के कारण जींद शहर पूरी तरह कचरे के अंबार में तबदील हो गया है। दूसरे दिन भी सफाई कार्य ठप रहने के चलते शहर में कचरे का उठान नही हो पाया। सड़कों, गलियों और वार्डों में जगह-जगह कूड़े के ढेर लग गए हैं। जिससे बदबू फैल रही है और लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। शनिवार सुबह भी वार्डवासी कचरा फेंकने के लिए गाड़ी का इंतजार करते रहे लेकिन गाड़ी नहीं पहुंचीं। परेशान होकर कई लोगों ने घर का कूड़ा सड़क किनारे, नालियों के पास या खाली प्लॉटों में फेंक दिया। शहर में प्रतिदिन सैकड़ों टन कचरा उत्पन्न होता है। नप कार्यालय परिसर में हड़तालरत सफाई कर्मियों को संबोधित करते जिलाध्यक्ष सोहनलाल ने कहा कि वो लंबे समय से मांगों को लेकर आंदोलनरत हैं लेकिन उनकी मांगों की तरफ कोई ध्यान नही दिया जा रहा है। उनकी मांग है कि ठेकाप्रथा को समाप्त कर सभी कर्मियों को पक्का किया जाए। एक्सग्रेशिया की नीति को बहाल किया जाए। हमारी मांग पूरी नही होती तो राज्य कमेटी का जो आह्वान होगा, उस पर वो काम करेंगे। उन्होंने दावा किया कि यूनियन के आह्वान पर सभी 300 कर्मचारी हडताल पर रहे हैं। इनमें 178 कर्मचारी नगर परिषद रोल पर नियुक्त हैं। जबकि 90 कर्मचारी एचकेआरएन के तहत काम कर रहे हैं। नगर परिषद के सफाई कर्मचारी हडताल पर रहने के चलते शहर से गंदगी का उठान नही हुआ। ऐसे में अगर यह हडताल बढ़ती है तो और ज्यादा परेशानी बढ़ेगी।

जींद। सड़क किनारे फैली गंदगी। फोटो :हरिभूमि

जींद। कार्यक्रम में मौजूद अधिकारी और किसान। फोटो :हरिभूमि

पर्यावरण अनुकूल उपयोग के प्रति जागरूक किया

जींद। कृषि विज्ञान केंद्र जींद द्वारा हमेटी जींद में संतुलित उर्वरक उपयोग विषय पर एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों को उर्वरकों के वैज्ञानिक, आर्थिक एवं पर्यावरण अनुकूल उपयोग के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम को संबोधित करते मृदा विज्ञान जिला विस्तार विशेषज्ञ डा. धीरज ने बताया कि वर्तमान समय में असंतुलित उर्वरक उपयोग के कारण मृदा की गुणवत्ता में गिरावट, सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी तथा उत्पादन लागत में वृद्धि जैसी समस्याएं सामने आ रही हैं। किसानों को मृदा परीक्षण आधारित पोषण प्रबंधन अपनाने की सलाह दी। जिससे फसल की वास्तविक आवश्यकता के अनुसार उर्वरकों का उपयोग किया जा सके। उन्होंने विशेष रूप से उर्वरक प्रबंधन के 4आर सिद्धांत सही उर्वरक का चयन, उचित मात्रा, सही समय और सही विधि पर विस्तार से चर्चा की। बताया कि इन चारों सिद्धांतों का समुचित पालन करने से न केवल फसल उत्पादकता में सुधार होता है बल्कि मृदा स्वास्थ्य दीर्घकाल तक सुरक्षित रहता है।

महिला ने जहरीला पदार्थ खाकर दी जान

- सास के खिलाफ पुलिस ने किया मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▸▸ जींद

सिवाहा में विवाहिता ने जहरीला पदार्थ निगल कर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने पर सदर थाना सफीदों पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने मायका पक्ष के लोगों की शिकायत पर सास के खिलाफ आत्महत्या के लिए मजबूर करने का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सदर थाना पुलिस को दी शिकायत में करनाल के सीतामाई निवासी रामपाल ने कहा कि उसकी बेटी मनीषा की शादी 14 वर्ष पहले सिवाहा गांव निवासी सुनील के साथ हुई थी। उसकी बेटी के पास दो लड़के हैं। रामपाल ने कहा कि जब से उसकी बेटी मनीषा की शादी हुई थी, तभी से उसकी सास परवारी उसे ताने मारती रहती थी। इसके अलावा उसे किसी न किसी बात को लेकर प्रताड़ित करती रहती थी। इस बारे में पंचायत भी हुई। इसमें उसके दामाद सुनील व समधी सतबीर ने हमेशा उसकी बेटी मनीषा का साथ दिया। रामपाल ने कहा कि उसकी बेटी मनीषा ने गत 30 अप्रैल शाम को अपनी सास से तंग आकर कोई जहरीला पदार्थ निगल लिया। इससे उसकी बेटी की मौत हो गई। सदर थाना पुलिस के जांच अधिकारी उपनिरीक्षक विनोद कुमार ने कहा कि परवारी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

22 बस जांची, चार पर ठोका ₹54500 जुर्माना

- स्टेज कैरिज बसों का चेकिंग अभियान दूसरे दिन भी जारी

हरिभूमि न्यूज ▸▸ जींद

स्टेज कैरिज बसों का चेकिंग अभियान शनिवार को दूसरे दिन जारी रखा गया। अभियान के दौरान 22 बसों की जांच की गई। जिसमें से चार बसों के चालान किए गए और 54500 का जुर्माना लगाया गया। मुख्यतः बसों में चालक परिचालक बिना वर्दी के व प्रेशर होरन के अतिरिक्त बुजुर्गों से अधिक किराया लेने बारे चालान किए गए है। वहीं शुक्रवार को 18 बसों को चेक किया गया था और सात बस में परिचालक के पास लाइसेंस, नंबर प्लेट के साथ बुजुर्गों व विद्यार्थियों के रियायती बस पास मान्य होने के बावजूद उनसे टिकट लेने पर सात बसों पर 64 हजार रुपये का चालान किया गया। ग्रामीण क्षेत्र से विद्यार्थी शहर के स्कूल कालेज व अन्य शिक्षण संस्थानों में पढ़ने आते हैं। जिला में परिवहन समिति की 162 बस अलग-अगल रूटों पर दौड़ रही हैं। इसमें नरवाना, उचाना, हांसी, असंध जैसे रूट पर प्राइवेट बसों का संचालन ज्यादा है। विद्यार्थियों व बुजुर्गों के रियायती पास मान्य होने के बाद परिवहन समिति के बस परिचालकों द्वारा उनसे टिकट के रुपये लिए जाते हैं।

गांव वासियों और दोस्तों ने अंतिम विदाई देते पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी

1971 के वीर योद्धा सूबेदार सरदार सिंह पंचतत्व में विलीन

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कैथल

भारत-पाक युद्ध 1971 के वीर योद्धा पूर्व सैनिक सूबेदार सरदार सिंह मेंशन इन डिस्पैच अवार्ड से सम्मानित चार सिख एल आई रेजिमेंट जो की 6 दिसंबर 1971 को पूर्वी पाकिस्तान के कोटन पुर इलाके में छोटी घीघा के अंदर दुश्मन से भारी टकराव के बीच एक हवलदार के रैंक पर होते जिन्होंने मोटर की कमान संभाली और दुश्मन को धूल चाटते बटालियन को अपने गंतव्य स्थान तक पहुंचा। इसी बहादुर को देखते भारतीय सेना ने ये अवार्ड दिया। 28 साल सेना में सेवा और आने के बाद जिला सैनिक बोर्ड के अंदर 58 वर्ष की आयु तक सेवा देते रहे। दो मई को 86 वर्ष की आयु में हुड्डा सेक्टर 21 कैथल में अपने निवास स्थान पर आखरी सांस ली। एसो को पता लगा तो एसोसिएशन का प्रतिनिधिमंडल उनके पैतृक गांव राजोन्द में पहुंच कर कैप्टन मुख्तार सिंह जांगड़ा, सूबेदार बलबीर सिंह, रिशालदार कर्मवीर भाल, दफेदार बलदेव सिंह हवलदार अशोक राणा सूबेदार यशपाल भारद्वाज ने पार्थिक शरीर पर तिरंगा ओढ़ाया और शव यात्रा में शामिल हुए। शमशान घाट में जाकर एसो प्रधान जगजीत फौजी ने पुष्प चक्कर (रीट) एवं सभी पूर्व सैनिक साथियों ने पुष्प अर्पित किए और उनके साथ-साथ वहां पर पहुंचे परिजनों, रिश्तेदारों, गांव वासियों व दोस्तों ने भी अपने वीर सपूत को अंतिम विदाई देते पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। एसो प्रधान जगजीत फौजी ने पूर्व सैनिक साथियों के साथ सामूहिक रूप से तिरंगा उनके पुत्र बलविंदर सिंह, सुरेंद्र व जितेंद्र को भेंट किया और तिरंगा भेंट करते कहा कि ये तिरंगा पूर्व सैनिक वेलफेयर एसो की तरफ से हम स्वर्गीय वीर योद्धा सूबेदार सरदार सिंह के परिवार को इसलिए सौंप रहे हैं ताकि ये परिवार हमेशा शूरवीर योद्धा को याद करता रहे।

सूबेदार सरदार सिंह के परिजनों को तिरंगा सौपते पूर्व सैनिक वेल्फेयर एसो के पदाधिकारी।

ये रहे मौजूद

इसमें हवलदार जसवीर सिंह, सूबेदार तेजपाल सिंह ,हवलदार शीशपाल सिंह, हवलदार जिले सिंह, सूबेदार राम दिया, दफेदार जसमेर सिंह, सूबेदार वेदपाल आदि पूर्व सैनिकों के अलावा गांव से सैकड़ो गणमान्य व्यक्ति व मातृशक्ति श्रद्धांजलि सभा में श्मशान घाट में पहुंचे।

जींद। पीड़ित किसान को सहायता राशि देते कुलदीप रंधावा। फोटो :हरिभूमि

जिप अध्यक्ष प्रतिनिधि ने 51 हजार सहायता राशि सौंपी

जींद। जुलाना विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गांव पड़ाना में एक दुखद घटना सामने आई। जहां किसान महाबीर शर्मा की लगभग 12 एकड़ में खड़ी गेहूं की फसल अचानक आग लगने से पूरी तरह जलकर राख हो गई। इस हादसे से किसान परिवार को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ा है। कड़ी मेहनत और महीनों की लगन से तैयार की गई। फसल के इस प्रकार नष्ट हो जाने से परिवार गहरे सदमे में है। घटना की सूचना मिलते ही जिला परिषद जींद के चेयरमैन प्रतिनिधि कुलदीप रंधावा तुरंत मौके पर पहुंचे और पीड़ित किसान परिवार से मुलाकात कर उनका हालचाल जाना। उन्होंने इस कठिन समय में किसान के साथ खड़े होने का भरोसा दिलाया और अपनी निजी कोष से 51 हजार की आर्थिक सहायता प्रदान की। इस अवसर पर कुलदीप रंधावा ने कहा कि किसान दिन-रात मेहनत करके अपनी फसल तैयार करता है। तभी पूरे देश को अन्न मिलता है। फसल उगाने में किसान की अथक मेहनत और समर्पण जुड़ा होता है।

खबर संक्षेप

पर्यावरण को बचाने के लिए युवा कर रहे वृक्षों की देखभाल

जींद। गांव बड़ौदी में युवा ग्रामीणों के जन्मदिन, सालगिराह महापुरुषों की जयंती व शादी जैसे विशेष मौकों पर पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दे रहे हैं। युवा पवन फौजी, संजय फौजी, जसमेर फौजी, बलजीत फौजी, जसबीर ने कहा कि उन्होंने सार्वजनिक निस्वार्थ सेवा बड़ौदी के नाम से ग्रुप बना रखा है। जिसमें गांव के युवाओं को जोड़ा हुआ है। वे 2020 से गांव में पौधरोपण करते आ रहे हैं और उनकी देखभाल के लिए ट्री गार्ड भी लगाते हैं। उन्होंने कहा कि पेड़ बनने तक वह पौधों की देखभाल करते हैं।

एलपीजी की कीमतों में वृद्धि पर जताया रोष

जींद। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी ने एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में बढ़ोत्तरी को लेकर रोष जताया है। कपूर सिंह ने कहा कि व्यावसायिक गैस सिलेंडरों और पांच किलो के गैस सिलेंडरों दोनों की कीमतों में सरकार द्वारा की गई भारी बढ़ोत्तरी की निंदा करते हैं। व्यावसायिक सिलेंडरों की कीमतों में लगभग एक हजार रुपये की अभूतपूर्व वृद्धि का व्यापक प्रभाव पडन्ना तय है। व्यावसायिक प्रतिष्ठान इस बोझ को उपभोक्ताओं पर डालने के लिए बाध्य हैं। जिससे उनका बोझ और महंगाई दोनों बढ़ेगी। कई छोटे प्रतिष्ठान बंद होने को मजबूर होंगे।

जैन गुरु सुदर्शन द्वार बनने पर मंत्री का जताया आभार

नरवाना। नगर परिषद की हुई बैठक में कैबिनेट मंत्री कृष्ण बेदी द्वारा जैन समाज की मांग पर जैन संत गुरू सुदर्शन द्वार बनाने का प्रस्ताव पास किया। जिसको लेकर जैन समाज में इस बात को लेकर खुशी की लहर दौड़ गई। प्रधान नरेश जैन, उपप्रधान संजय जैन, राजेश जैन, प्रवीण जैन, राहुल, शुभम, पुनीत, सज्जन, विमल, अक्षय, सतीश ने जैन समाज की तरफ से मंत्री कृष्ण बेदी का आभार जताया। जो इतने कम समय में यह द्वार बनाने की मंजूरी दी। उन्होंने कहा कि मंत्री कृष्ण बेदी द्वारा अग्रसेन द्वार और धर्मशाला बनाने पर भी सभी ने खुशी व्यक्त की।

पंजाबी धर्मशाला में मुफ्त स्वास्थ्य जांच कैंप आज

जींद। नरवाना शहर में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने की दिशा में पंजाबी भवन समिति द्वारा शाह अस्पताल एवं ट्रॉमा सेंटर कैथल द्वारा मुफ्त हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन रविवार को पंजाबी धर्मशाला नई सब्जी मंडी के नजदीक आयोजित होगा। पंजाबी भवन के प्रेस प्रवक्ता रवि कथूरिया ने बताया कि इस कैंप में घुटने, कूल्हे, जोड़ रोग एवं जनरल सर्जरी से संबंधित मरीजों की निशुल्क जांच और परामर्श दिया जाएगा। साथ ही हड्डियों में कैल्शियम की जांच भी मुफ्त की जाएगी और जरूरतमंद मरीजों को निशुल्क दवाइयां उपलब्ध कराई जाएंगी।

नपा कार्यालय गेट पर सफाई कर्मियों का धरना

उचाना। नगर पालिका इकाई राज्य कमेटी के आह्वान पर उचाना नगर पालिका सफाई कर्मियों ने शनिवार को पक्का करने की मांग को लेकर हड़ताल रखी। कर्मचारियों ने कहा कि हरियाणा सरकार कर्मचारियों के हितों में कार्य नहीं कर रही है। कर्मचारियों की प्रमुख मांगे पुरानी पेंशन बहाल करना, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करना, ठेकेदारी प्रथा बंद करना, आबादी के आधार पर नियुक्ति आदि मांगे है। शीला प्रधान, राजेश ढिलौड़, सतपाल, ओमपति देवी, सुरजी देवी, राजकली, संतरो मौजूद रही।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन नौ मई को

जींद। हरियाणा राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार नौ मई को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा न्यायिक परिसर जींद-उपमंडल स्तर पर नरवाना व सफीदों में लोक अदालत का आयोजन होगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी मोनिका ने बताया कि आपसी समझौते से हल हो सकने वाले मामले में लोक अदालत काफी कारगर सिद्ध हो रही है। लोक अदालत में सस्ता व सुलभ न्याय मिलता है तथा प्रक्रिया बिल्कुल साधारण है। जिसमें दोनों पक्षों की सहमति से केसों का निपटारा किया जाता है। जिनमें लोगों के धन व समय की बचत होती है।

बढ़ती गर्मी को देख प्रशासन ने जारी की एडवाइजरी

हीट स्ट्रोक से बचाव को लेकर स्पेशल वार्ड बनाया

पत्र लिख ओआरएस के पैकेट की व्यवस्था के निर्देश

नागरिक अस्पताल में प्रतिदिन दो हजार तक मरीज ओपीडी में पहुंच रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

नागरिक अस्पताल का मेडिकल वार्ड, जहां स्पेशल रूम तैयार किया गया है।

लगातार बढ़ती गर्मी को देखते जहां प्रशासन ने एडवाइजरी जारी की है वहीं अस्पताल प्रशासन ने भी अपनी तरफ लू लगने वाले मरीजों के लिए प्रबंध किए हैं ताकि गर्मी से प्रभावित व्यक्ति को तुरंत प्रभाव से उपचार दिया जा सके। अस्पताल में हीट स्ट्रोक से बचाव को लेकर नागरिक अस्पताल की पुरानी बिल्डिंग के मेडिकल वार्ड में स्पेशल वार्ड बनाया गया है। जहां दस बैड लगाए गए हैं। इसके साथ ही कमरे के बाहर गर्मी से बचाव को लेकर पोस्टर चस्पा किया गया है। हालांकि अभी तक गर्मी और लू के प्रकोप का एक भी मरीज अस्पताल में नहीं आया है। नागरिक अस्पताल में प्रतिदिन 1800 से दो हजार मरीज ओपीडी में पहुंचते हैं। सोमवार को तो यह आंकडा दो हजार से भी पार हो जाता है। इन दिनों लगातार तापमान बढ़ रहा है। शनिवार को अधिकतम तापमान 40 डिग्री तो न्यूनतम तापमान 26 डिग्री दर्ज किया गया। हवा की गति आठ किलोमीटर व मौसम में आद्रता 22 प्रतिशत रही। ऐसे में लू और तेज गर्मी लगना आम बात है। वहीं गर्मी से डायरिया, उल्टी व दस्त की शिकायत भी होती हैं। छोटे बच्चे व वृद्ध सबसे ज्यादा इसकी चपेट में आते हैं। वहीं हैल्दी खाना भी गर्मी के मौसम में नही पचता है। ऐसे में गर्मी से राहत देने के लिए अस्पताल प्रबंधन ने विशेष इंतजाम किए हैं। लू व गर्मी तथा उल्टी, दस्त मरीजों के लिए स्पेशल वार्ड तैयार करवा दिया गया है। इस कमरे में मरीजों के लिए ठंडे माहौल की व्यवस्था की गई है। ठंडा पानी और जरूरी दवाइयां यहां पर रखी गई है। सरकारी विभागों को पत्र लिख ओआरएस के पैकेट की व्यवस्था के निर्देश स्वास्थ्य विभाग ने हरियाणा, रोडवेज विभाग, शिक्षा और महिला एवं बाल विकास विभाग को पत्र भेज कर सभी संस्थानों में आने वाले सभी लोगों के लिए ओआरएस के पैकेट की व्यवस्था करने की बात कही है ताकि लू और डिहाइड्रेशन से बचाव में मदद मिल सके।

दोपहर में बेवजह घरों से बाहर न निकले

गर्मी के मौसम और लू से बचने के लिए बरतें आवश्यक सावधानियां: डीसी डीसी मोहम्मद इमरान रजा ने जिले के नागरिकों से आह्वान किया है कि वे इस तपती गर्मी और लू से खुद को सुरक्षित रखने के लिए विशेष सावधानी बरतें। बढ़ता पारा स्वास्थ्य के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है, ऐसे में जागरूकता ही सबसे बड़ा बचाव है। डीसी ने नागरिकों से अपील की है कि वे दोपहर के समय बेवजह घरों से बाहर न निकलें और स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पूरी निष्ठा से पालन करें ताकि हीट वेव के दुष्प्रभावों से बचा जा सके।

मरीजों के बैठने के लिए कुर्सियां लगाई : पीएमओ

नागरिक अस्पताल के प्रधान चिकित्सा अधिकारी डा. रघुवीर पूनिया ने बताया कि गर्मी को देखते हुए अस्पताल प्रशासन ने पुख्ता प्रबंध किए गए हैं। मेडिकल वार्ड में स्पेशल रूम बना दिया गया है। जहां दस बैड लगाए गए हैं। इसके अलावा अस्पताल में जगह-जगह वेटिंग के लिए कुर्सियों को लगवाया गया है।

लितानी सड़क गड्ढों में तबदील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| उचाना

उचाना। गड्ढों में तबदील लितानी रोड। फोटो :हरिभूमि

शहर के लितानी रोड गड्ढों में तबदील हो चुका है। आने-जाने वाले वाहन चालकों के साथ-साथ राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। समय-समय पर नगर पालिका पैचवर्क जरूर करती है लेकिन सड़क का निर्माण करीब 18 साल पहले होने के चलते ये जगह-जगह से टूट रही है। नए सिरे से सड़क निर्माण की मांग शहर के लोग, दुकानदार, वाहन चालक कर रहे है। सड़क में इतने गड्ढे हो चुके है कि पैदल चलना तक मुश्किल हो जाता है। चालक सोनू, मुकेश, प्रवेश, मनोज ने कहा कि लितानी रोड शहर का सबसे प्रमुख रोड है। अनाज मंडी जाने, बाजारों में आने-जाने के लिए वाहन चालक लितानी रोड से आते है। यहां 18 साल पहले सड़क का निर्माण हुआ था। सीसी की सड़क बनने के बाद अब ये धीरे-धीरे टूटने लगी है। जगह-जगह गड्ढे हो चुके है। नगर पालिका पैचवर्क तो करवाती है लेकिन सड़क में गड्ढे इतनी जगह हो चुके है कि परेशानी का जड़ से समाधान नहीं हो रहा है। नए सिरे से सड़क बनने के बाद इसका समाधान होगा। गड्ढों के चलते कई बार दुर्घटना तक होते-होते बचती है।

जींद। मौसमी बीमारियों को लेकर जागरूक करते स्वास्थ्यकर्मी।

मलेरिया के खिलाफ किया जागरूक

जींद। गर्मी एवं बुखार की आहट भर से स्वास्थ्य विभाग अलर्ट मोड में आ गया है। जुलाना कस्बे में स्वास्थ्य सुपरवाइजर सत्यवीर सिं, रविंद्र, संदीप कुंडू, मनोज, अनिल, मुकेश देवी, पवन, रामपाल एवं हरमुख की टीमों ने जुलाना कस्बे में टीमें बना कर रैपिड फीवर सर्वे अभियान चलाया एवं 1605 घरों में लार्वा के लिए जांच की एवं बुखार प्रभावित मरीजों के सैंपल लैब में भिजवाए। स्वास्थ्य कर्मियों की टीम ने रैपिड फीवर मास सर्वे के दौरान बुखार पीड़ित की रक्त पट्टिका बनाई और घरों के टंकी, कूलर, होदी, ड्रम, फ्रिज के पीछे लगी वेस्ट ट्रे, छतों पर पड़े कबाड़ आदि में लार्वा की जांच की व मलेरिया से बचाव बारे पंपलेट भी बांटे गए। स्वास्थ्य टीमों ने सर्वे के दौरान नुक्कड़ सभाएं करके आम जनता को स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी दी।

इस बार ज्येष्ठ माह 60 दिन का होगा : भारतेंदु

उचाना। ज्येष्ठ मास 2 मई से शुरू होकर 29 जून 2026 तक चलेगा। 2026 में 8 बड़े मंगल (बुढ़वा मंगल) का अत्यंत दुर्लभ संयोग बन रहा है, इस साल ज्येष्ठ में अधिक मास (पुरुषोत्तम मास) होने के कारण यह महीना 60 दिनों का होगा,इसी अतिरिक्त समय के कारण इस पावन महीने में मंगलवारों की संख्या दोगुनी हो गई है।राधा-कृष्ण प्राचीन मंदिर पुजारी भारतेंदु शांडिल्य ने कहा कि ज्येष्ठ महीने के मंगलवार भगवान हनुमान की उपासना के लिए बेहद शुभ माने जाते हैं जो भक्त सच्ची श्रद्धा और विश्वास के साथ इस समय रामभगत हनुमान की आराधना करते हैं, उनके जीवन की परेशानियां धीरे-धीरे कम होने लगती हैं सुख-समृद्धि के मार्ग खुलते हैं। उन्होंने बताया कि ज्येष्ठ महीने के मंगलवार को बड़ा मंगल या बुढ़वा मंगल कहा जाता है। इसी समय रामभगत हनुमान और भगवान श्रीराम का मिलन हुआ था।

बच्चों की क्षमता में उल्लेखनीय सुधार

जींद। सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता को नई दिशा देने के लिए चलाया जा रहा निपुण भारत मिशन अब अपने सार्थक परिणाम दिखाने लगा है। जिले के 423 प्राथमिक विद्यालयों में बच्चों की सीखने की क्षमता में उल्लेखनीय सुधार देखा जा रहा है। जॉयफुल शनिवार जैसे नवाचार कार्यक्रमों ने बच्चों के सीखने के तरीके को पूरी तरह बदल दिया है। अब बच्चे पढ़ाई को बोझ नही बल्कि आनंद के रूप में ले रहे हैं। खेल-खेल में सीखने की यह प्रक्रिया बच्चों को रटने की बजाय सटीक ज्ञान प्रदान कर रही है। विद्यालयों में आयोजित गतिविधियों के माध्यम से बच्चों में नेतृत्व की भावना का विकास हो रहा है। समूह कार्य, रोल प्ले और प्रोजेक्ट आधारित शिक्षण से बच्चे आत्मविश्वास से भरपूर हो रहे हैं। अनुशासन और जिम्मेदारी की भावना भी उनमें स्वाभाविक रूप से बढ़ रही है।

जींद। जॉयफुल शनिवार गतिविधियों में भाग लेते बच्चे।

उचाना। रक्तदान करते शिविर में रक्तदाता। फोटो :हरिभूमि

शिविर में 50 यूनिट रक्तदान

उचाना। स्वामी गणेशानंद शिक्षण महाविद्यालय उचाना कलां में रेडक्रॉस सोसाइटी इकाई के तत्वावधान में रक्तदान शिविर आयोजित किया। शिविर में 50 लोगों ने रक्तदान किया। मुख्य अतिथि के रूप में चौधरी रणबीर सिंह विवि जींद के परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजेश कुमार बंसल पहुंचे। विशिष्ट अतिथि के तौर पर डॉ. जितेंद्र सिंह उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत कॉलेज के प्राचार्य डॉ. महावीर एवं डीएलएड प्राचार्य धर्मवीर द्वारा किया। निदेशक विनोद वशिष्ट , प्रशासक वाइएस कादियान एवं समस्त शिक्षण स्टाफ भी उपस्थित रहे। प्रो. बंसल ने कहा रक्तदान महादान है और एक यूनिट रक्त किसी जरूरतमंद की जान बचा सकता है। उपस्थित लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित भी किया। शिविर का संचालन कॉलेज की रेडक्रॉस संयोजिका डॉ. विजय लक्ष्मी के निर्देशन में किया गया।

उचाना में 49 प्रतिशत गेहूं का उठान

उचाना। उचाना में उठान की रफ्तार तेजी पकड़ रही है। अब तक 49 प्रतिशत गेहूं का उठान हो चुका है। उचाना मंडी, छात्तर सब यार्ड, परचेज सेंटरों पर अब तक 1285956 क्विंटल गेहूं पहुंच चुका है। हैफेड, खादय आपूर्ति विभाग, एचडब्ल्यूसी द्वारा 1253249 क्विंटल गेहूं की खरीद की जा चुकी है। अब तक 619520 क्विंटल गेहूं का उठान हो चुका है। एसडीएम रमित यादव ने बताया कि बीते दिनों विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री के निर्देश पर खरीद एजेंसियों की मीटिंग ले उठान की रफ्तार के निर्देश दिए थे। निरंतर विधायक उठान को लेकर रिपोर्ट भी ले रहे है। छात्तर सब यार्ड में हैफेड द्वारा 74%, खादय आपूर्ति विभाग द्वारा 84 % उठान किया जा चुका है। ऐसे ही घोघड़िया परचेज सेंटर पर 62 %, काब्रच्छा परचेज सेंटर पर 86 %, धनखड़ी परचेज सेंटर पर 60 % गेहूं का उठान हो चुका है।

उचाना। कपास मंडी में चल रहा गेहूं का उठान। फोटो :हरिभूमि

हसनपुर में कुआं पूजन के दौरान रस्म अदा करती बेटी की मां सीता।

कन्या के जन्म पर किया कुआं पूजन

अलेवा। हसनपुर गांव में जितेंद्र के घर में बेटी पैदा होने पर कुआं पूजन करवाया गया। जितेंद्र ने कहा कि उससे बहुत खुशी है कि उनके घर पत्नी सीता ने बेटी को जन्म दिया है। लड़की माता-पिता की सेवा लड़कों से बेहतर करती है। एएनएम सविता व स्वास्थ्य कर्मचारी कुलदीप ने बताया कि बेटी के पैदा होने पर गांव हसनपुर में कुआं पूजन करके खुशी मनाई गई। वह काबिलेतारिफ है। उन्होंने साबित कर दिया है कि आज लड़का-लड़की में कोई अंतर नहीं है। पूरा गांव लड़की पैदा होने पर खुशी मनाता है। ग्रामीण दूसरे गांव के लोगों को कन्या भ्रूण हत्या के बारे में जागरूक कर रहे हैं। इस अवसर पर आशा वर्कर मीना, बाला समेत गांव की महिलाएं उपस्थित थी।

जिले में गेहूं की आठ लाख पांच हजार 749 मीट्रिक टन की खरीद

- चार लाख 57 हजार 897 मीट्रिक टन का उठान पूर्ण : उपायुक्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

उपायुक्त मोहम्मद इमरान रजा ने बताया कि जिले में गेहूं खरीद का कार्य सुचारू एवं व्यवस्थित ढंग से जारी है। मंडियों में किसानों के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। संबंधित एजेंसियों को उठान कार्य में और तेजी लाने के निर्देश दिए, जिससे मंडियों में फसल का सुचारू प्रबंधन बना रहे। उपायुक्त ने बताया कि जिले में गत दिवस तक कुल आठ लाख पांच हजार 749 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जा चुकी है। इसमें खाद्य एवं आपूर्ति विभाग द्वारा 2,31,634 मीट्रिक टन, हैफेड द्वारा 3,33,691 मीट्रिक टन, भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) द्वारा 10,426 मीट्रिक टन तथा हरियाणा वेयर हाउसिंग कॉरपोरेशन द्वारा 2,29,998 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई है। मंडीवार आंकड़ों के अनुसार गत दिवस तक उचाना मंडी में 85,972 मीट्रिक टन, पिल्लूखेड़ा में 67,696 मीट्रिक टन, जींद में 91,906 मीट्रिक टन, अलेवा में 35,286 मीट्रिक टन, सफीदों में 89,985 मीट्रिक टन, जुलाना में 97,903 मीट्रिक टन तथा नरवाना में 84,954 मीट्रिक टन गेहूं की खरीद दर्ज की गई है।

नव दुर्गा और शिव प्राइमरी स्कूल के विद्यार्थियों ने लहराया परचम : वृंदा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

बच्चों को सम्मानित करते हुए।

जिला बाल कल्याण परिषद द्वारा बाल भवन में गत 14 नवंबर को आयोजित प्रतियोगिता में नव दुर्गा सीनियर सेकेंडरी स्कूल व शिव प्राइमरी स्कूल रोहतक रोड के छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त किया। नव दुर्गा स्कूल के छात्र नैतिक पुत्र पवन, अरमान पुत्र मदनपाल, दिशा पुत्री नरेश, तन्नु पुत्री लोकनाथ ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान, आयुषी व खुशी ने द्वितीय स्थान, अंश, वंश, वंशिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा शिव प्राइमरी स्कूल जींद की छात्र रिया तथा कीर्ति ने द्वितीय जिला स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया। स्कूल के चेयरमैन शिव नारायण शर्मा ने समस्त स्टाफ व अभिभावकों को बधाई दी। पूरे स्कूल में खुशी का माहौल है। प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाले छात्रों को एक बहुत बड़े समारोह में सम्मानित किया तथा उपहार वितरित किए। इस उपलब्धि से स्कूल के चेयरमैन शिव नारायण शर्मा, समस्त स्टाफ व माता-पिता बहुत ही गौरावांवित महसूस कर रहें हैं। उन्होंने स्कूल की छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की व बधाई दी।

जींद। कूलर के पानी में लार्वा की जांच करते स्वास्थ्यकर्मी। फोटो :हरिभूमि

गांव निडाना में चलाया फीवर मास सर्वे अभियान

जींद। स्वास्थ्य निरीक्षक कुलदीप चहल की अध्यक्षता में फीवर मास सर्वे अभियान चलाया गया। जिसके तहत स्वास्थ्यकर्मियों ने गांव में घर-घर जाकर बुखार पीड़ित मरीजों की रक्त पट्टिकाएं बना कर जांच हेतु लैब में भेजी। इसके अलावा स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने सोर्स रिडक्शन एंटी लार्वा व पब्लिक जागरूकता अभियान भी साथ-साथ चलाए तथा गांव में वेक्टर बोर्न डिजीज जागरूकता हेतु पंपलेट भी बांटे। स्वास्थ्य निरीक्षक ने सभी टीमों का निरीक्षण किया तथा निरीक्षण के दौरान आमजन से वीबीडी यानी वेक्टर बोर्न डिजीज के बचाव एवं रोकथाम में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने बताया कि यदि हम सप्ताह में एक दिन यानी रविवार को पानी के सभी स्रोतों जैसे कूलर, टंकी, हौदी, फ्रिज ट्रे, पक्षियों के पानी के बर्तनख ड्रम इत्यादि को रगड़ कर साफ करके सुखा दें तथा फिर पानी डालें तो मच्छर का लार्वा पनपने की संभावना काफी कम हो जाती है तथा मच्छरजनित बीमारियों से बचाव किया जा सकता है। इसके अलावा मच्छर पैदा होने पर स्वयं बचाव करने बारे भी जागरूक किया।

हिंदू कन्या कालेज में अंतिम वर्ष की छात्राओं के लिए फेयरवेल पार्टी

लक्ष्य की प्राप्ति के लिए लगन-मेहनत जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

जींद। कार्यक्रम में प्रस्तुति देते हुए छात्राएं। फोटो :हरिभूमि

हिंदू कन्या कालेज में बीए, बीएससी, बीकॉम तथा पीजी अंतिम वर्ष की छात्राओं के सम्मान में एक भव्य एवं भावभीनी फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया । यह कार्यक्रम महाविद्यालय प्राचार्या डा. पूनम मोर की अध्यक्षता में हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्या एवं कार्यक्रम की संयोजिका डा. क्यूटी एवं सहसंयोजिका क्रांति द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन कर विधिवत किया गया। अंतिम वर्ष की छात्राओं ने पुष्पगुच्छ देकर व तिलक लगाकर प्राचार्या डा. पूनम मोर का स्वागत किया। छात्राओं ने सभी प्राध्यापिकाओं का भी तिलक लगा कर आत्मीय स्वागत किया। कार्यक्रम की शुरुआत में सरस्वती वंदना के पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रारंभ हुए। छात्राओं ने नृत्य, गीत एवं नाटिकाओं के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। फेयरवेल पार्टी के अंतर्गत आयोजित फैशन शो कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा। जिसमें 11 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। फैशन शो के लिए कुल तीन राउंड रखे गएऔर छात्राओं की प्रतिभा को देखते हुए मिस कॉलेज दोहु कुश, मिस चार्मिंग जैस्मिन तथा मिस टैलेंट विशाखा का चयन किया गया। फैशन शो के निर्णायक मंडल की भूमिका रेखा सैनी एवं डा. गीता गुप्ता द्वारा निभाई गई तथा प्राचार्या डा. पूनम मोर द्वारा फैशन शो की विजेता छात्राओं को क्राउन व सैशे पहना कर सम्मानित किया गया। अंतिम वर्ष की छात्राओं ने पूरी लगन एवं टीम वर्क के साथ व्यवस्थाओं को सफलतापूर्वक संभाला। साथ ही अपने मधुर पलों की स्मृतियों को वीडियो प्रस्तुति के माध्यम से प्रदर्शित किया। जिसने सभी को भावुक कर दिया। प्राचार्या डा. पूनम मोर ने छात्राओं को संबोधित करते कहा कि निष्ठा, लगन और कड़ी मेहनत से छात्राएं अपने जीवन के निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त कर सकती हैं। कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। छात्राओं को उज्ज्वल भविष्य हेतु शुभकामनाएं भी प्रेषित की और कार्यक्रम की संयोजिका डा. क्यूटी, सह संयोजिका क्रांति व अन्य सभी स्टाफ सदस्यों को कार्यक्रम के सफल संयोजन के लिए बधाई दी।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हरियाणा की पिट्ठू टीम रवाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जींद

राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए शनिवार को हरियाणा पिट्ठू टीम रवाना हुई। संजय हैबतपुर ने बताया कि पिट्ठू खेल हरियाणा में दिन प्रतिदिन बढ़ रहा। इस खेल की लोकप्रियता बढ़ती रही है। पिट्ठू एसो हरियाणा के तत्वावधान में तीसरी सब जूनियर और जूनियर बालक और बालिका राष्ट्रीय प्रतियोगिता जोकि सूरत गुजरात में चार से छह मई तक आयोजित होगी। हरियाणा से बालक और बालिका दोनों वर्ग की टीमें इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने के लिए आज पानीपत रेल्वे स्टेशन से रवाना हुई। टीम में सब जूनियर टीम में 10 बालक और 10 बालिका और जूनियर वर्ग में भी 10 बालक और 10 बालिका राष्ट्रीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। जूनियर बालक वर्ग में आदर्श कैथल से कप्तान और बालिका वर्ग में निशा जींद से कप्तान की जिम्मेदारी निभाएंगे। सब जूनियर बालक वर्ग में मोइन नुह से कप्तान और बालिका वर्ग में अंकिता शर्मा पंचकुला से को कप्तान की जिम्मेदारी निभाएंगे। टीम के साथ कार्यकारी सचिव सुमित कुमार, मुस्कान नूंह, मोनिका पंचकूला, अन्नू जींद और पुरुष कोच व मैनेजर में अंकुश पूनिया और रवि कुमार जींद से टीम के साथ गए हैं।

खबर संक्षेप

सोसायटियों के माध्यम से दिया जाए खाद : आर्य

कैथल। भारतीय किसान यूनियन ने सरकार से मांग कि है कि धान के समय में किसानों को मिलने वाला खाद सोसाइटियों के माध्यम से किसानों को दिया जाए। भाकियू युवा प्रदेशाध्यक्ष राजीव आर्य ने कहा कि सरकार खाद की दुकान पर युरिया व डीएपी खाद भेजती है परंतु दुकानदार किसानों को उनके साथ दूसरी अन्य चीज भी महंगे दामों पर देती है। यदि किसान महंगी वस्तुएं न लेने की कहते हैं तो उनका खाद देने से साफ इनकार किया जाता है।

नारद जयंती पर भक्ति और सत्य का संदेश

सीवन। देवर्षि नारद जयंती के अवसर पर क्षेत्र में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। मंदिरों में पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और प्रसाद वितरण के साथ वातावरण पूरी तरह भक्तिमय बना रहा। इस मौके पर महंत अवध बिहारी दास ने कहा कि देवर्षि नारद ज्ञान, भक्ति और सत्य के मार्गदर्शक थे। उनका जीवन समाज को यह सिखाता है कि व्यक्ति को सदैव धर्म और सच्चाई के मार्ग पर चलना चाहिए। कहा कि नारद जी ने भक्ति को सबसे सरल और श्रेष्ठ मार्ग बताया, जो हर व्यक्ति को ईश्वर से जोड़ता है।

नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा की राज्यव्यापी हड़ताल जारी

अग्निशमन कर्मचारियों की मांगों का अतिशीघ्र समाधान करे सरकार: सिंह

दमकल कर्मचारी हर परिस्थिति में अपनी जान जोखिम में डालकर जनता, किसानों और समाज की सुरक्षा कर रहे।

कैथल। हडताल कर नारेबाजी करते दमकल कर्मचारी। *फोटो : हरिभूमि*

कैथल। हडताल कर नारेबाजी करते दमकल कर्मचारी। *फोटो : हरिभूमि*

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कैथल

हरियाणा अग्निशमन विभाग कर्मचारी यूनियन शाखा नगर पालिका कर्मचारी संघ हरियाणा की राज्यव्यापी हड़ताल 25वें दिन भी जारी रही। फायर कर्मचारियों की हड़ताल के समर्थन में मैकेनिकल वर्कर यूनियन के साथी कार्मिक अनशन पर रहे। इसकी अध्यक्षता जिला प्रधान दलबीर सिंह ने व संचालन बलबीर सिंह ने किया। इसके अलावा रघुबीर,रिंकू, ओमपाल भाल,दिलबाग, कृष्ण, शमशेर सिंह,मनोज, राजेश कुमार, सुल्तान सिंह, सुभाष कुमार व गुरदीप विशेष रूप से अनशन पर रहे। उन्होंने संयुक्त रूप से कहा कि दमकल कर्मचारी हर परिस्थिति में अपनी जान जोखिम में डालकर जनता, किसानों और समाज की सुरक्षा करते हैं, लेकिन सरकार उनके साथ उपेक्षापूर्ण रवैया अपनाकर उनकी शहादत को नजरअंदाज कर रही है।

संघ नेताओं ने 18 मार्च 2026 को मुख्यमंत्री को भेजे गए पत्र का हवाला देते हुए कहा कि उसमें स्पष्ट रूप से दमकल कर्मचारियों की न्यायोचित मांगों, फरीदाबाद अग्निकांड में शहीद हुए भवी चंद शर्मा और रणवीर सिंह को सम्मान देने हेतु तत्काल वार्ता की मांग उठाई गई थी। बावजूद इसके सरकार की ओर से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

उन्होंने बताया कि फरीदाबाद के मुजेसर स्थित कालकाजी स्टील कंपनी में 16 फरवरी 2026 को लगी भीषण आग की घटना का जिक्र करते हुए कहा कि इस हादसे में अपने कर्तव्य का निर्वहन करते हुए दमकल कर्मियों ने जान गंवाई, लेकिन उनके परिवारों के लिए अब तक न तो शहीद का दर्जा दिया गया और न ही कोई सम्मानजनक आर्थिक सहायता घोषित की गई। यह सरकार की असंवेदनशीलता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि यदि सरकार शीघ्र ही दमकल कर्मचारियों की मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लेती और वार्ता शुरू नहीं करती, तो सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा से संबद्ध विभागीय संगठन दमकल कर्मचारियों के आंदोलन को हर स्तर पर समर्थन देगा और आवश्यक होने पर व्यापक राज्यव्यापी आंदोलन छेड़ा जाएगा। उन्होंने सरकार से पुनः मांग की है कि शहीद दमकल कर्मियों को सम्मान दिया जाए, उनके परिवारों को एक-एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता व एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए।

रोडवेज कर्मचारी 4 को करेंगे प्रदर्शन

कैथल। हरियाणा रोडवेज वर्कर्स यूनियन कैथल डिपो की मीटिंग यूनियन कार्यालय में डिपो प्रधान अमित कुमार कुंडू की अध्यक्षता में हुई। संचालन कृष्ण गुलियाना ने किया। विक्रम गुहणा और आनंद शर्मा ने कहा की सरकार अपने किए गए वादों से वादा खिलाफी कर रही है। अपनी मांगों को लागू करवाने के लिए मीटिंग करके अंबाला में परिवहन मंत्री अनिल विज के निवास स्थान पर मास डेपुटेशन करने व फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों की लंबे समय से चल रही हड़ताल का समर्थन के बारे में तैयारी की है। अनूप कुमार व सुरेश मराठा ने कहा कि कर्मचारियों में सरकार के द्वारा की गई वादा खिलाफी के लिए कैथल डिपो के कर्मचारियों में बहुत रोष है। परिवहन मंत्री जी ने कर्मचारियों की मांगों का शीघ्र समाधान करना चाहिए । कृष्ण गुलियाना व अमित कुंडू ने कहा कि परिवहन मंत्री अनिल विज के निवास स्थान पर होने वाले 24 मई 2026 के मास डेपुटेशन व 4 मई 2026 को फायर ब्रिगेड के कर्मचारियों की हड़ताल के समर्थन में होने वाले दो घण्टे के प्रदर्शन में कैथल डिपो के कर्मचारी बढ़ चढ़कर भाग लेंगे । फायर ब्रिगेड के कर्मचारी की जायज मांगों का सरकार ने यूनियन को बुलाकर शीघ्र समाधान करना चाहिए ।

कैथल। बातचीत करते राईस मिल एसो. प्रधान पुष्पेंद्र बरसाना।

कल से फिर उठान प्रक्रिया को तेज किया जाएगा

कैथल। पूंडरी क्षेत्र में कस्टम मिल्ड राइस (सीएमआर) की डिलीवरी को लेकर राईस मिल एसोसिएशन के प्रधान पुष्पेंद्र बरसाना ने कहा कि सोमवार से दुबारा उठान प्रक्रिया को तेज किया जाएगा, जिससे लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा किया जा सके। उन्होंने बताया कि पूंडरी एरिया में वर्तमान में लगभग 40 प्रतिशत गाड्यों का उठान कार्य अभी शेष है। इसे समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए राईस मिलर्स और सरकारी एजेंसियों के बीच समन्वय बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सीएमआर के तहत मिलरों द्वारा तैयार चावल को सरकारी गोदामों में जमा करवाना होता है, जो एक निर्धारित प्रक्रिया के तहत किया जाता है। उन्होंने बताया कि हाल के दिनों में विभिन्न प्रशासनिक और लॉजिस्टिक कारणों से चावल डिलीवरी की रफ्तार धीमी पड़ी थी, लेकिन अब विभागीय स्तर पर इसे लेकर गंभीरता दिखाई जा रही है। गाड्यों की संख्या बढ़ाने, लोडिंग-अनलोडिंग व्यवस्था को बेहतर करने और समयबद्ध शेड्यूल तैयार करने पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राईस मिलर्स सरकार के निर्देशों के अनुसार कार्य कर रहे हैं और डिलीवरी में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं बरती जा रही है। मिलर्स का प्रयास है कि शेष सीएमआर चावल का उठान जल्द से जल्द पूरा हो, ताकि आगे की प्रक्रिया में कोई बाधा न आए।

सभी अधिकारी आपसी तालमेल से करें कार्यः एडीसी

■ एडीसी ने ली जिला स्तरीय नार्को समन्वय समिति की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कैथल

कैथल। एडीसी सुशील कुमार जिला स्तरीय नार्को समन्वय समिति की बैठक लेते हुए।

एडीसी सुशील कुमार ने कहा कि जिले को नशा मुक्त बनाने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करें और इस दिशा में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने पुलिस व अन्य संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि चिन्हित स्थानों की नियमित जांच करें और नशे में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करें। शनिवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित जिला स्तरीय नार्को समन्वय समिति की बैठक की अध्यक्षता करते हुए एडीसी ने कहा कि नशे के हॉटस्पॉट क्षेत्रों में निरंतर गश्त बढ़ाई जाए और पुराने व परित्यक्त भवनों पर विशेष निगरानी रखी जाए। उन्होंने आमजन से भी अपील की कि यदि कहीं नशे से संबंधित गतिविधियों की जानकारी मिले तो बिना डर प्रशासन को सूचित करें, उनकी पहचान गोपनीय रखी जाएगी। एडीसी ने नगर परिषद व नगर पालिकाओं को निर्देश दिए कि वे पुराने भवनों की सूची तैयार कर नियमित निगरानी सुनिश्चित करें। जिला ड्रग कंट्रोलर को मेडिकल स्टोर्स की सख्त जांच के निर्देश देते हुए कहा कि बिना डॉक्टर की पर्ची के दवाइयों की बिक्री न हो तथा सीसीटीवी रिकॉर्डिंग की नियमित जांच की जाए। निरीक्षण के दौरान पुलिस विभाग की उपस्थिति भी अनिवार्य रखने को कहा गया।

उन्होंने शिक्षा विभाग को निर्देश दिए कि स्कूलों में जागरूकता शिविर, नुक्कड़ नाटक, रैलियां और स्मार्ट बोर्ड के माध्यम से बच्चों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया जाए। पीटीएम में भी अभिभावकों को इस विषय पर संवेदनशील बनाने पर जोर दिया गया। साथ ही, एक विशेष अभियान के तहत विद्यार्थियों के बैग की जांच भी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर जिला परिषद के सीईओ सुरेश राविश, एसडीएम संजय कुमार, कैप्टन प्रमेश सिंह, डीएसपी सुशील प्रकाश, रोहताश कुमार, रमेश चंद्र, रमेश गुलिया, डीडीपीओ रितु लाठर, सीएमओ डॉ. रेणु चावला, जेल अधीक्षक अशोक कुमार, अमितेंद्र श्योकंद, राज रानी, नसीब सिंह सैनी आदि उपस्थित रहे।

डीएवी कॉलेज में विदाई समारोह में झूमे विद्यार्थी

पूंडरी। कार्यक्रम में भाग लेती हुए विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

पूंडरी। डीएवी कॉलेज पूंडरी में को बीकॉम. द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा बीकॉम. तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उत्साह, उमंग और भावनाओं का अनूठा संगम देखने को मिला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्राचार्य डॉ॰ राजेश तुरान ने व अध्यक्षता डॉ परमिंदर कौर ने की। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ तुरान ने कहा कि विद्यालय केवल शिक्षा प्राप्त करने का स्थान नहीं होता, बल्कि यह वह मंच है जहां सपनों को नई दिशा मिलती है और जीवन के मूल्यों की नींव रखी जाती है। यहां प्राप्त ज्ञान, अनुशासन, मित्रता और संस्कार ही विद्यार्थियों के भविष्य की सबसे बड़ी पूंजी हैं। इस अवसर पर बीकॉम. द्वितीय वर्ष के छात्रों ने अपने सीनियर्स के सम्मान में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें गीत, नृत्य और विभिन्न मनोरंजक कार्यक्रम शामिल रहे। विद्यार्थियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए कॉलेज जीवन की यादों को ताजा किया, जिससे माहौल भावुक हो उठा।

किशोरियों को एचपीवी का टीका लगवाने के लिए किया जागरूक

■ एचपीवी टीकाकरण एवं किशोर स्वास्थ्य पर जागरूकता सत्र का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कैथल

कैथल। प्रधानाचार्या अंजु तलवाड़ कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

नियमित स्वास्थ्य देखभाल और बालिकाओं के समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ओएसडीएवी पब्लिक स्कूल, कैथल में कक्षा नौवीं और दसवीं की छात्राओं एवं उनकी माताओं के लिए एचपीवी टीकाकरण, किशोर स्वास्थ्य और स्वच्छता विषय पर एक जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र का संचालन मुख्य अतिथि एवं संसाधन व्यक्ति डॉ. रेनू चावला, सिविल सर्जन (सीएमओ), कैथल द्वारा किया गया। उनके साथ चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम में डॉ. अजय कुमार, डॉ. दीपक, डॉ. अंकित तथा कुशल उपस्थित रहे। प्रधानाचार्या अंजु तलवाड़ ने सभी अतिथियों का हार्दिक स्वागत किया। डॉ. चावला ने ह्यूमन पैपिलोमावायरस से बचाव के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह वायरस गर्भाशय ग्रीवा कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों का कारण बन सकता है। टीकाकरण को इसका सबसे प्रभावी बचाव उपाय बताया। विशेषज्ञों ने किशोर स्वास्थ्य के विभिन्न पहलुओं-संतुलित आहार, मासिक धर्म स्वच्छता तथा भावनात्मक स्वास्थ्य-पर भी विस्तृत जानकारी दी।

राजौंद। गोल्ड लाइफ स्कूल, राजौंद में आयोजित वालीबॉल प्रतियोगिता के दौरान खेलते विद्यार्थी। *फोटो :हरिभूमि*

गोल्ड लाइफ स्कूल में रोमांचक वालीबॉल प्रतियोगिता

राजौंद। शहर स्थित गोल्ड लाइफ स्कूल में शनिवार को उत्साह, ऊर्जा और खेल भावना से भरपूर वालीबॉल प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा छठी से बारहवीं तक के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में खेलों के प्रति रुचि विकसित करना, टीम भावना को मजबूत करना तथा उनके शारीरिक व मानसिक विकास को बढ़ावा देना रहा। प्रतियोगिता को रोचक बनाने के लिए विद्यार्थियों को चार हाउस—अल्बर्ट हाउस, स्टीफन हाउस, गैलीलियो हाउस और आइजैक हाउस—में विभाजित किया गया। सभी टीमों ने अनुशासन और जोश के साथ उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया। पहला मुकाबला आइजैक हाउस और अल्बर्ट हाउस के बीच खेला गया, जिसमें कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद अल्बर्ट हाउस ने जीत दर्ज की। वहीं दूसरे मैच में स्टीफन हाउस और गैलीलियो हाउस आमने-सामने आए, जिसमें गैलीलियो हाउस ने बेहतर तालमेल और रणनीति के बल पर विजय हासिल की। फाइनल मुकाबला अल्बर्ट हाउस और गैलीलियो हाउस के बीच खेला गया, जो प्रतियोगिता का सबसे रोमांचक और आकर्षक मैच रहा। दोनों टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।

फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया विद्यार्थियों को पढ़ाएगी तिरंगा और देशभक्ति का पाठ

100 विद्यालयों में 6 को होगी क्विज, 3000 विद्यार्थी भाग लेंगे

हरिभूमि न्यूज ▸▸ कैथल

भारतीय सेना के "ऑपरेशन सिंदूर" की प्रथम वर्षगांठ के उपलक्ष्य में फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित 'माइ भारत क्विज' की प्रारंभिक परीक्षा के शुभारंभ एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम का आज पीएम श्री राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय, जाखौली अड्डा कैथल में किया गया। सांसद नवीन जिन्दल के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में फ्लैग फाउंडेशन ऑफ इंडिया के जनरल सेक्रेटरी सेवानिवृत्त मेजर जनरल असीम कोहली एवं संसदीय कार्यालय प्रभारी धर्मवीर सिंह ने सांसद नवीन जिन्दल की ओर से 'माइ भारत क्विज' की प्रारंभिक परीक्षा का औपचारिक शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान 100 विद्यालयों से आए नोडल शिक्षकों को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया। उन्हें क्विज के उद्देश्य, संचालन प्रक्रिया, दिशा-निर्देश एवं आयोजन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराया गया। साथ ही क्विज के सिलेबस पर भी विस्तार से मंथन किया गया, ताकि विद्यार्थियों को संतुलित, ज्ञानवर्धक एवं प्रेरणादायक सामग्री उपलब्ध कराई जा सके। अपने संबोधन में मेजर जनरल असीम कोहली ने शिक्षकों को राष्ट्रनिर्माण में उनकी भूमिका का महत्व बताते हुए विद्यार्थियों में देशभक्ति, जागरूकता एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्धा की भावना विकसित करने का आह्वान किया। धर्मवीर सिंह ने बताया कि सांसद नवीन जिन्दल का उद्देश्य है कि छात्रों को सीखने के भरपूर अवसर प्राप्त हों। माइ भारत क्विज के माध्यम से छात्रों में राष्ट्रप्रेम की भावना जागृत करना है। पूरे कुरूक्षेत्र संसदीय क्षेत्र में यह क्विज आयोजित करवाई जाएगी। सांसद नवीन जिन्दल के कैथल कार्यालय प्रभारी रविन्द्र धीमान ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारत के गौरवमयी इतिहास, स्वतंत्रता संग्राम एवं राष्ट्रीय ध्वज की विकास यात्रा से परिचित कराना है। उन्होंने कहा कि नवीन जिन्दल का स्पष्ट विजन है कि हर नागरिक के मन में तिरंगे के प्रति सम्मान और गर्व की भावना सुदृढ़ हो तथा वह राष्ट्रहित में सक्रिय योगदान दे। जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष कुमार ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि 'माइ भारत क्विज' न केवल विद्यार्थियों के ज्ञान को समृद्ध करेगा, बल्कि उनमें देशभक्ति और सांस्कृतिक चेतना को भी जागृत करेगा।

कैथल। सेवानिवृत्त मेजर जनरल असीम कोहली व अन्य क्विज प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए। *फोटो :हरिभूमि*

गतिविधि सुचारू रूप से करवाना सुनिश्चित करें

बता दें कि 6 मई को जिले के 100 विद्यालयों में क्विज की प्रारंभिक परीक्षा आयोजित की जाएगी, जिसमें लगभग 3000 छात्र भाग लेंगे। जिला शिक्षा अधिकारी ने कहा कि गतिविधि के जो खंड नोडल हैं वह अपने-अपने खंड में 6 मई को यह गतिविधि सुचारू रूप से करवाना सुनिश्चित करें।

न्यूज डायरी

रक्तदान से बचती हैं जिंदगियां, आगे आएं युवा: सैनी

सीवन। लायंस क्लब कैथल आइकोनिक एवं नेकी का घर संस्था, गुहला-चीका के संयुक्त तत्वावधान में रामा आश्रम, सीवन में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर में नगरपालिका अध्यक्ष हेमलता सैनी व युवा समाजसेवी संदीप सैनी मुख्य अतिथि रहे। हेमलता सैनी ने कहा कि रक्तदान से बढ़कर कोई दान नहीं है, क्योंकि इससे सीधे किसी जरूरतमंद की जान बचाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि आधुनिक विज्ञान भी रक्त का विकल्प तैयार नहीं कर पाया है, इसलिए हर स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर रक्तदान करना चाहिए। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे रक्तदान को सामाजिक जिम्मेदारी समझते हुए इसमें बढ़-चढ़कर भाग लें। एक यूनिट रक्त किसी परिवार की उम्मीद को बचा सकता है।

कलायतवासियों को जलभराव समस्या से मिलेगी राहत

कलायत। प्रदेश सरकार के निर्देश पर नगर पालिका प्रशासन ने शहर में जलभराव की समस्या से निपटने और स्वच्छता व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से एक विशेष सफाई अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान के तहत शहर के विभिन्न इलाकों में पानी निकासी के नालों की व्यापक स्तर पर सफाई की जा रही है। ताकि बरसात के मौसम में लोगों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। नगर पालिका द्वारा चलाए जा रहे इस अभियान में आधुनिक मशीनों के साथ-साथ सफाई कर्मचारियों की टीम को भी सक्रिय रूप से लगाया गया है। नालों में जमा गंदगी, प्लास्टिक और अन्य अवरोधों को हटाकर पानी के सुचारु प्रवाह को सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा है।

नागरिकों को स्वच्छता के प्रति किया जाएगा जागरूक

राजौंद। शहर के वार्ड नंबर 4 में हरियाणा स्वच्छता अभियान के तहत 'नई सोच-नया शहर' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर नगर पालिका प्रशासन की टीम ने भाग लेते हुए लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया और साफ-सफाई का संदेश दिया।कार्यक्रम में नगर पालिका चेयरपर्सन बबीता रानी ने बताया कि इस अभियान की शुरुआत शुक्रवार, 1 मई से की गई है, जो 16 मई तक लगातार चलेगा। उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान नागरिकों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया जाएगा और उनके सहयोग से शहर को स्वच्छ बनाने का प्रयास किया जाएगा।उन्होंने कहा कि 'हरियाणा स्वच्छता अभियान' के अंतर्गत 'नई सोच-नया शहर' कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया है।

श्रमिक देश और समाज की नींवः निवेदिता

कैथल। आरकेएसडी पब्लिक स्कूल में श्रम दिवस को उत्साह व सम्मान के साथ मनाया गया। इस दिन को मनाने का उद्देश्य श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा करना और उनके योगदान को सम्मान देना है। इसके लिए प्रातः कालीन सभा में विद्यार्थियों ने स्कूल में कार्यरत सभी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के प्रति धन्यवाद पत्र प्रस्तुत किया और उनके सम्मान में कविताएं भी पढ़ी। तत्पश्चात कुछ खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया जिसमें सोनू ,संदीप, राजकुमार, रेखा , वीरेंद्र, किरण,गुड्डी ,पंकज मक्कड़ तथा राजकुमार ने बाजी मारी और पुरस्कार प्राप्त किए ।सभी छात्रों ने तालियां बजाकर उनका उत्साह वर्धन किया। स्कूल में आज सभी चार हाउस का परिणाम निकाला गया।

लेबर-डे हर्षोल्लास के साथ मनाया

कैथल। ध्रुव पब्लिक स्कूल में अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस (लेबर डे) बड़े हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कर्मचारियों के योगदान को सराहते हुए उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय की प्राचार्या प्रवीन ढिल्लो और चेयरमैन मुकेश वालिया ने समस्त स्टाफ को मजदूर दिवस की शुभकामनाएं देते हुए उनके कार्य के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान की प्रगति में प्रत्येक कर्मचारी की भूमिका महत्वपूर्ण होती है और उनकी मेहनत व समर्पण से ही संस्थान निरंतर आगे बढ़ता है। इस मौके पर विशेष रूप से नॉन-टीचिंग स्टाफ के योगदान को सराहा गया।

पारदर्शी से किया जा रहा जनगणना संचालन : डीसी

कैथल। डीसी अपराजिता ने कहा कि जनगणना 2027 के सफल संचालन के लिए जिला प्रशासन द्वारा हाउस लिस्टिंग एवं जनगणना कार्य पूरी पारदर्शिता और व्यवस्थित तरीके से किया जा रहा है। इस कार्य को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए व्यापक स्तर पर व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि प्रत्येक घर तक पहुंच बनाकर सटीक आंकड़े एकत्रित किए जा सकें। उन्होंने बताया कि जनगणना कार्य को समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी ढंग से पूरा किया जाएगा। डीसी ने कहा कि जनगणना देश की एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रक्रिया है, जिसके आधार पर विभिन्न विकास नीतियों और योजनाओं का निर्माण किया जाता है। ऐसे में इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही की कोई गुंजाइश नहीं है।

बाबा राजपुरी डेरे के महंत ने एसपी को सौंपी शिकायत

कैथल। गांव बाबा लदाना स्थित बाबा राजपुरी डेरे के महंत दूजपुरी ने अज्ञात व्यक्तियों से जान माल का खतरा जताते हुए एसपी को शिकायत दी है। उन्होंने अंदेशा जताया कि कुछ लोग उनको झूठी शिकायतों में फंसाने के लिए उनके खिलाफ साजिश रच रहे हैं, ताकि उनकी बदनामी हो जाए। उन्होंने पुलिस से मांग की है कि डेरे में सुरक्षा प्रदान की जाए। डेरे के महंत दूजपुरी ने बताया कि कल रात को गांव पिसौल स्थित डेरे के महंत प्यारपुरी का कुछ लोगों ने अपहरण कर लिया था। जैसे ही वे गांव बाबा लदाना उसे लेकर पहुंचे, तो महंत उनसे खुद को छुड़ाकर गांव सांघन चला गया और वहां पर डेरे में जाकर सो गया।

खबर संक्षेप

तीन दिवसीय वैदिक सत्संग समारोह आठ से

जींद। आर्य समाज मंदिर राम नगर रोहतक रोड द्वारा आठ से 10 मई तक तीन दिवसीय वैदिक सत्संग समारोह का आयोजन किया जाएगा। इसमें आर्य समाज की सुप्रसिद्ध वेदज्ञ विद्वान वेद के संदेश को प्रस्तुत करेंगे। कार्यक्रम में प्रातःकाल एवं सायंकाल यज्ञ, भजन एवं प्रवचन होगा। आर्य समाज मंदिर के प्रांगण में होने वाले सत्संग की जानकारी देते हुए आर्य समाज के प्रधान कंवर साहब आर्य ने बताया कि इसका उद्देश्य समाज में वैदिक विचारधारा का प्रचार प्रसार करना, नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ करना है।

बालों व त्वचा रोग का फ्री मेडिकल कैंप आज

नरवाना। श्री जयराम अस्पताल में रविवार को बालों व त्वचा रोग का मुफ्त आयुर्वैदिक मेडिकल कैंप लगाया जाएगा। अस्पताल समिति प्रधान कैलाश सिंगला ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कैंप में पंचकर्म विशेषज्ञ डा. मोनिका घनघस सुबह 10 बजे से बाद दोपहर दो बजे तक बाल झड़ने, छोटी उम्र में बाल सफेद होने, बालों में डैंड्रफ त्वचा पर पिंपल, फोड़े, फुंसी, मस्से, स्किन एलर्जी की जांच व इलाज करेंगी। उन्होंने बताया कि इस कैंप में दवाई भी फ्री वितरित की जाएंगी और मुफ्त डाइट चार्ट दिया जाएगा।

छात्रा मंजू का लंदन की बीपीपी विवि में चयन

उचाना। सनासाइन स्कूल भौंगरा की छात्रा मंजू का चयन लंदन यूनिवर्सिटी में हुआ। प्राचार्य सतीश कुमार ने बताया कि सनसाइन स्कूल की 12वीं की छात्रा मंजू पुत्री राजबीर का लंदन (इंग्लैंड) में बीपीपी यूनिवर्सिटी में हुआ है। छात्रा शुरू से ही पढ़ाई में मेहनती, लग्नशील रही। विदेश में पढ़ाई का सपना मंजू का था जो कड़ी मेहनत से पूरा हुआ है। गांव, माता-पिता एवं स्कूल का नाम मंजू ने रोशन किया है। होनहार विद्यार्थियों पर हर किसी को गर्व होता है।

एलपीजी सिलेंडरों की कीमतों में वृद्धि की निंदा

कैथल। सीपीआई (एम) राज्य कमेटी हरियाणा,व्यावसायिक गैस सिलेंडरों और 5 किलो के गैस सिलेंडरों दोनों की कीमतों में हुई भारी बढ़ोतरी की निंदा करती है।राज्य सचिव कामरेड प्रेम चंद ने प्रेस को बयान जारी करते हुए कहा कि व्यावसायिक सिलेंडरों की कीमतों में लगभग एक हजार रुपये की अभूतपूर्व वृद्धि का व्यापक प्रभाव पड़ना तय है। व्यावसायिक प्रतिष्ठान इस बोझ को उपभोक्ताओं पर डालने के लिए बाध्य हैं, जिससे उनका बोझ और महंगाई दोनों बढ़ेगी। कई छोटे प्रतिष्ठान बंद होने को मजबूर होंगे, जिसके परिणामस्वरूप छंटनी और बड़े पैमाने पर रोजगार का नुकसान होगा, जो पहले से ही शुरू हो चुका है।

निशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर आज

कैथल। समाज सेवा के क्रम को आगे बढ़ाते हुए पंजाबी वेलफेयर सभा, कैथल द्वारा रविवार, 3 मई को अमर शहीद मदन लाल ढींगड़ा स्मारक, पार्क रोड पर एक विशाल निशुल्क होम्योपैथिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा। शिविर का समय प्रातः 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक निर्धारित किया गया है। सभा के प्रधान सुषम कपूर ने जानकारी देते हुए बताया कि शिविर में मरीजों को अनुभवी चिकित्सकों द्वारा निशुल्क परामर्श दिया जाएगा तथा होम्योपैथिक दवाएं भी पूरी तरह मुफ्त वितरित की जाएंगी।

नरवाना की मंडियों से माल का उठान न होने से बढ़ा रोष

आढ़तियों ने मंडी गेट पर ताला जड़ मार्केट कमेटी में दिया धरना

मंडी प्रधान ने एसडीएम के सामने कहा - मजबूर हो चुका हूं, कहें तो इस्तीफा दे दूं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जींद। मार्केट कमेटी कार्यालय में उठान न होने पर धरना देते मंडी प्रधान जयदेव बंसल व अन्य आढ़ती। फोटो : हरिभूमि

नरवाना की मंडियों से माल का उठान जितनी तेजी से होना चाहिए था, वो नहीं हो पा रहा है। इसका कारण यह है कि मंडी एसोसिएशन व ट्रांसपोर्ट ठेकेदार की आपसी खिंचतान हो गई है। जिससे किसान उन दोनों के बीच में पिसता नजर आ रहा है। क्योंकि किसानों के खातें में पेमेंट नहीं जा पा रही है। मंडी एसोसिएशन व ट्रांसपोर्ट ठेकेदार की आपसी खिंचतान के कारण माल का उठान न होने पर आढ़तियों ने मंडी गेट पर ताला जड़ दिया और मार्केट कमेटी कार्यालय में धरना दे दिया। धरना देने व मंडी गेट पर ताला जडने की सूचना मिलते ही एसडीएम जगदीश चंद्र, तहसीलदार विजय बब्बर व डीएसपी कमलदीप राणा मौके पर पहुंचे। जब तीनों अधिकारी मार्केट कमेटी कार्यालय पहुंचे तो आढ़तियों, मजदूरों ने नारेबाजी करनी शुरू कर दी। वहीं एसडीएम जगदीश चंद्र ने मंडी एसोसिएशन के प्रधान जयदेव बंसल, एजेंसी अधिकारियों व अन्य आढ़तियों के साथ माल के उठान को लेकर बातचीत की। प्रधान जयदेव बंसल व अन्य आढ़तियों ने कहा कि एसोसिएशन पर्ची बना कर राउंड के हिसाब से माल का उठान करवाना चाहती है ताकि सभी का माल क्रमानुसार उठ सके। लेकिन ठेकेदार एसोसिएशन के राउंड सिस्टम को तुड़वाना चाहता है। उन्होंने कहा कि माल का उठान तेजी से करवाने के लिए मंडी एसोसिएशन भी प्रयासरत है। मंडी प्रधान जयदेव बंसल ने एसडीएम जगदीश चंद्र के सामने एजेंसी अधिकारी को कहा कि या तो वो गाडियों की पर्ची बना कर दें या फिर मंडी एसोसिएशन की पर्ची को लागू करें। वे तो मजबूर हो चुके हैं, कहें तो इस्तीफा दे दूं। उनके बस की बात नहीं है। आढ़तियों ने कहा कि गाडियों की लिस्ट उनको दें दें ताकि उसके अनुसार गेट पास कटवाया जा सके। एसडीएम जगदीश चंद्र ने कहा कि डीएफएससी कह रहे हैं कि पालिसी के अनुसार गाडियां दी जा रही है। उससे ज्यादा गाडियां नही दी जा सकती। प्रशासन का एजेंसी के साथ मतलब है, एजेंसी ही ट्रांसपोर्ट ठेकेदार को कह सकती है। एजेंसी अधिकारियों ने कहा कि उनको लिस्ट दी जाए तो माल का उठान तेजी से हो जाएगा। नहीं तो माल का उठान करवाने में समय लगेगा। वहीं मामला लंबा ज्यादा खींचने पर एसडीएम ने मंत्री कृष्ण बेदी व डीसी मोण इमरान रजा से फोन पर बातचीत की और पूरा मामला से अवगत करवाया। मंत्री कृष्ण बेदी ने मंडी प्रधान जयदेव बंसल से बात की और कहा कि उनकी जो भी समस्या है उसको हल करवा दिया जाएगा।

ट्रांसपोर्ट ठेकेदार पर लगाया आरोप

मंडी एसोसिएशन के आढ़तियों ने कहा कि वो एसडीएम के कहने पर पर्ची बनाकर गाड़ी चालक को देने लग गए थे। हालांकि ट्रांसपोर्ट ठेकेदार द्वारा मेला मंडी में गाडियां लाकर खड़ी कर दी थी। वहीं आढ़तियों ने ट्रांसपोर्ट ठेकेदार पर आरोप लगाया कि ट्रांसपोर्ट ठेकेदार मंडी एसोसिएशन द्वारा दी जा रही पर्ची नहीं ली जा रही हैं। जिससे माल का उठान न होने पर आढ़ती व मजदूर दोनों परेशान हो चुके हैं। आढ़ती तो इसलिए परेशान हैं क्योंकि किसान उनसे पेमेंट मांग रहा है। मजदूर को दिहाड़ी न मिलने पर खाली बैठा हुआ है। मंडियो में खुले आसमान के नीचे माल पड़ा होने पर नुकसान होने की आंशका बनी हुई है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि माल का उठान करवाने के लिए आवश्यक कदम उठायें।

एसडीएम ने आढ़तियों से की बातचीत

मंडी प्रधान जयदेव बंसल ने एसडीएम जगदीश चंद्र को कहा कि एक बार वे आढ़तियों के बीच जाकर यह कह दें कि मंडी एसोसिएशन ही पर्ची बनाकर गाडियां देगी, जिससे माल का उठान हो सके। एसडीएम ने कहा कि डीएफएससी व हैफेड डीएम ही इस मामले को ज्यादा स्पष्ट कर सकते हैं लेकिन मंडी एसोसिएशन एसडीएम को आढ़तियों के बीच बातचीत रखने पर अड़े रहे। एसडीएम ने उनकी बात मानते हुए आढ़तियों के बीच जाकर कहा कि मंडी एसोसिएशन के पास गाडियों की लिस्ट पहुंच जाएगी और वो पर्ची बना कर ही गाडियां भेजेंगे। जिसके बाद आढ़ती संतुष्ट हो सके। एसडीएम ने यह भी कहा कि माल को ढककर रखें। क्योंकि किसानों का गेहूं खराब नहीं होना चाहिए।

भाजपा विधायक ने सुनीं लोगों की समस्याएं, समाधान का दिया भरोसा

- तय समय में समस्यों को निपटाने का दिया निर्देश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उचाना

उचाना। अपने आवास पर लोगों की समस्याएं सुनते विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री।

विधायक देवेंद्र चतरभुज अत्री ने अपने निवास पर जन समस्याएं सुनी। गांव से पंचायतें और शहर के लोग भी पहुंचे और उनका एक-एक कर विधायक द्वारा निपटान किया गया। अधिकारियों को तय समय में समस्याओं को निपटाने के निर्देश दिए। कहा कि सरकार योजनाओं का लाभ पंक्ति में अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचा रहा है। उचाना की जनता ने अपनी आवाज बना कर उन्हें विधानसभा पहुंचाया है। ऐसे में उनका फर्ज है कि वो उचाना की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निदान करवाएं। विधायक आवास पर पहुंचे सोमदत्त ने कहा कि वो दुष्यंत चौटाला के समर्थक रहे है। जब चंडीगढ़ मिलने जाते थे तो उनसे मिलना मुश्किल होता था। इस बार जो विधायक उचाना को मिला है ऐसा आज तक नहीं मिला था। हर बिरदारी के लोगों के पांव छूकर आशीर्वाद लेता है। विधायक आवास पर अलग कमरे में लोगों को बैठा दिया जाता था लेकिन यहां पर विधायक के आवास पर कोई बंदिश लोगों के लिए नहीं है। विधायक से कोई किसी समय आकर मिल सकता है।

विकास की पटरी पर दौड़ने लगा है उचाना

- विधायक के प्रयास से हो रहा विकास, अब नहीं होती क्षेत्र की अनदेखी, समस्याएं हो रहीं दूर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ उचाना

उचाना। मार्केट कमेटी चेयरमैन सुरेंद्र खरकभूरा, वाइस चेयरमैन प्रवीण गर्ग।

मार्केट कमेटी चेयरमैन सुरेंद्र खरकभूरा ने कहा कि उचाना की विकास के मामले में अब तक अनदेखी होती रही थी। इसका सबसे बड़ा कारण ये था कि जो यहां से विधायक बनते थे वो उचाना हलके की मांगों को सीएम तक नहीं लेकर जाते थे, क्योंकि वो खुद खुद को सीएम का दावेदार समझते है। उचाना हलका 1977 में बनने के बाद यहां से बड़े परिवार अधिकांश बार विधायक बने है। प्रदेश सरकार में मंत्री, केंद्र में मंत्री रहे है। उचाना में आज तक कोई बड़ा उद्योग तक नहीं लगा जबकि केंद्र, प्रदेश सरकार में बड़े पदों पर रहे। हलके के लोगों को अब ऐसा विधायक मिला है जो दिन-रात हलके के विकास की सोच रखता है। उचाना आज विकास की पटरी तेजी से दौड़ने लगा है। यहां के अनेकों गांव में आईएमटी में शामिल करवाने का काम किया ताकि यहां भी बड़े उद्योग लगे। अब किसानों को देखना है कि यहां पर आईएमटी को लेकर वो जमीन देते है या नहीं। भाजपा सरकार किसानों की मर्जी से जमीन लेती है।

उन्होंने कहा कि आज विधायक से मिलना आसान हुआ है। आज आम आदमी भी विधायक से मिल सकता है। आमजन में एक चर्चा है कि विधायक से मिलने के किसी बिचौलिए की जरूरत नहीं है। अब विधायक से मिलने के लिए चंडीगढ़, दिल्ली जाने की जरूरत भी नहीं है। विधायक खुद हलके में पांच दिन लोगों के बीच रहकर उनकी समस्याओं को सुनता है। विधायक की लोकप्रियता का इससे बड़ा प्रमाण क्या होगा जब खुद विपक्षी पार्टियों के कार्यकर्ता तक उनके मिलनसार स्वभाव, कार्यशैली की प्रशंसा करते नहीं थकते है। समाज सेवी स्व. चतरतभुज अत्री के सपनों को विधायक बन उनके छोटे बेटे देवेंद्र चतरभुज अत्री पूरा करने का काम कर रहे है।

मिशन बुनियाद लेवल 3 परीक्षा में चयनित विद्यार्थियों की काउंसलिंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जींद। काउंसलिंग में भाग लेते हुए बच्चे। फोटो :हरिभूमि

मिशन बुनियाद लेवल 3 की परीक्षा में चयनित जिले के विद्यार्थियों की काउंसलिंग शनिवार को शहर के सरकारी कन्या वरिष्ठ में आयोजित की गई। काउंसिलिंग के लिए विद्यार्थियों को खुद का आधार कार्ड, माता-पिता का आधार कार्ड, आठवीं कक्षा की पासिंग मार्कशीट, स्कूल लीविंग सर्टिफिकेट, परिवार पहचान पत्र व चार पासपोर्ट फोटो सहित अन्य दस्तावेजों के साथ बुलाया गया था। काउंसलिंग के बाद विद्यार्थियों को बुनियाद केंद्र आवंटित किए गए। जिले में इस समय मिशन बुनियाद के तहत पांच केंद्र चल रहे हैं। इसमें राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जींद, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जींद, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जुलाना, माडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सफीदों व पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नरवाना शामिल हैं। विकल्प संस्थान की ओर से नौवीं कक्षा से ही विद्यार्थियों को जेईई व नीट के लिए तैयार करना आरंभ कर दिया जाता है। इसके लिए विद्यार्थियों को ड्रेस किताबें और यात्रा भत्ता प्रदान किया जाएगा।

मतदाता सूची से नहीं कटने देंगे नाम : रिषिपाल

- कांग्रेस की जिला स्तरीय बैठक में संगठन को मजबूत बनाने पर जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जींद। बैठक को संबोधित करते कांग्रेस जिलाध्यक्ष रिषिपाल हैबतपुर।

जिला कांग्रेस कार्यालय में शनिवार को जिला कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक जिला अध्यक्ष रिषिपाल हैबतपुर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं, विभिन्न प्रकोष्ठों के पदाधिकारियों तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। बैठक का मुख्य एजेंडा नगर निकाय महापौर चुनाव तथा जींद विधानसभा क्षेत्र में संगठन को मतदान केंद्र स्तर तक सशक्त बनाने की रणनीति रहा। बैठक को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष रिषिपाल हैबतपुर ने कहा कि नगर निकाय महापौर चुनाव कांग्रेस के हर कार्यकर्ता के लिए प्रतिष्ठा की लड़ाई है। भारतीय जनता पार्टी की जनविरोधी नीतियों से आमजन त्रस्त हैं। महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार ने जनता का जीवन कठिन बना दिया है। अब प्रदेश की जनता बदलाव चाहती है और कांग्रेस की ओर आशा भरी नजरों से देख रही है। उन्होंने कहा कि पार्टी का प्रत्येक पदाधिकारी और कार्यकर्ता इस चुनाव में पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ जुटे। हर कार्यकर्ता घर-घर जाकर कांग्रेस की जनहितकारी नीतियों को जन.जन तक पहुंचाए और भारतीय जनता पार्टी की विफलताओं को उजागर करे। उन्होंने निर्देश दिए कि जिला कार्यकारिणी के सभी पदाधिकारी दल बना कर वार्डवार जिम्मेदारियां तय करें। नुक्कड़ सभाओं, घर-घर संपर्क अभियान तथा सामाजिक माध्यमों के जरिए प्रचार-प्रसार को और तेज किया जाएगा।

कांग्रेस आमजन की पार्टी

बैठक में संगठन महासचिव पवन दूहन ने कहा कि कांग्रेस गरीब, किसान, मजदूर और आमजन की पार्टी है। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खडगे तथा भूपेंद्र सिंह हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस लगातार मजबूत हो रही है और जींद से इस मजबूती की नई शुरुआत होगी। बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित किया गया कि नगर निकाय महापौर चुनाव में पार्टी पूरी ताकत झोंकेगी। साथ ही जींद विधानसभा क्षेत्र के सभी मतदान केंद्रों पर मजबूत समितियों का गठन किया जाएगा ताकि विशेष गहन पुनरीक्षण की आड़ में मतदाता अधिकारों पर किसी भी प्रकार का आघात न हो सके।

फसल अवशेष जलाने से सड़क किनारे खड़े पेड़ भी झुलस रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजौंद

राजौंद। फसल अवशेष जलाते समय झुलसे पेड़।

क्षेत्र में गेहूं की फसल कटाई के बाद खेतों सड़क किनारे खड़ी घांस फूस फसल अवशेष (फाने) जलाने का सिलसिला सरेआम देखा जा सकता हैं। लेकिन अब यह समस्या सिर्फ खेतों तक सीमित नहीं रही, बल्कि इसका दुष्प्रभाव सड़क किनारे खड़े बेजुबान पेड़-पौधों पर भी साफ नजर आने लगा है। खेतों के साथ लगते रास्तों पर खड़े पेड़ों के तनों और जड़ों तक आग पहुंच रही है, जिससे वे बुरी तरह झुलस रहे हैं। तस्वीरों में देखा जा सकता है कि कई पेड़ों के नीचे की जमीन काली पड़ चुकी है और तनों पर आग के निशान साफ दिखाई दे रहे हैं। यह स्थिति न केवल पेड़ों के जीवन के लिए खतरा है, बल्कि पर्यावरण संतुलन पर भी गंभीर असर डाल रही है। पेड़ जहां एक ओर हवा को शुद्ध करते हैं, वहीं गर्मी के मौसम में छाया और ठंडक भी प्रदान करते हैं। ऐसे में इनका नुकसान सीधे तौर पर आम जनजीवन को प्रभावित करता है। विशेषज्ञों के अनुसार, बार-बार आग लगने से पेड़ों की जड़ों को नुकसान पहुंचता है, जिससे वे धीरे-धीरे सूखने लगते हैं। इसके अलावा, धुआं और प्रदूषण आसपास के वातावरण को भी दूषित कर देता है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है।

कैथल। ग्रामीणों को जागरूक करती पुलिस टीम। फोटो : हरिभूमि

राष्ट्र निर्माण में योगदान करें युवा : कर्मवीर सिंह

कैथल। पुलिस टीम द्वारा कैथल जिले में आमजन को नशे के दुष्परिणामों बारे लगातार जागरूक किया जा रहा है। इसी मुहिम तहत शनिवार को जागरूकता टीम में शामिल इसी मुहिम तहत जागरूकता टीम में शामिल एसआई कर्मबीर सिंह, एएसआई मनोज, एचसी दिनेश, सिपाही नसीब, महिला सिपाही नीलम, महिला एसपीओ गीता व एसपीओ चांदी राम की टीम द्वारा गांव पीडल, चीका व गुहला के विभिन्न स्थानों पर युवाओं सहित आमजन को पुलिस द्वारा नशे के दुष्परिणामों बारे अवगत करवाते हुए नशा ना करने बारे जागरूक किया गया। इस अभियान को सफल बनाने में आमजन से सहयोग की अपील की है। पुलिस प्रवक्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि इस दौरान विद्यार्थियों, खिलाड़ियों व आमजन को बताया जा रहा है कि नशा करने वाला व्यक्ति खुद के साथ साथ अपने परिवार को भी बर्बाद कर देता है।

राजकीय आयुर्वेदिक औषधालय में योग प्रोटोकॉल का कराया अभ्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कैथल

कैथल। योग शिवर में अभ्यास करते विधार्थी व अन्य।

आयुष विभाग, हरियाणा एवं हरियाणा योग आयोग के संयुक्त तत्वावधान में, जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. शकुंतला दहिया के कुशल निर्देशनानुसार, आज राजकीय आयुर्वेदिक औषधालय, डीग में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में योग प्रोटोकॉल का सफलतापूर्वक अभ्यास करवाया गया।

योग शिवर में विद्यार्थियों, बुजुर्गों एवं महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में लगभग 46 योग साधकों ने सहभागिता की। आयुष योग सहायक सर्जन सिंह ने उपस्थित बच्चों एवं अन्य प्रतिभागियों को विभिन्न योगासन एवं प्राणायाम का अभ्यास करवाया। साथ ही उन्होंने कोल्ड ड्रिंक, समोसे, फास्ट फूड एवं अन्य जंक फूड से दूर रहने तथा संतुलित एवं पौष्टिक आहार अपनाने की सलाह दी। इस अवसर पर राजकीय आयुर्वेदिक औषधालय, डीग के आयुर्वेदिक फार्मासिस्ट खुशीराम विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने नियमित योग, संतुलित दिनचर्या एवं आयुर्वेद को स्वस्थ जीवन का आधार बताते हुए सभी को अपने दैनिक जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का सफल संचालन आयुष योग सहायक सर्जन सिंह द्वारा किया गया। आयुष विभाग निरंतर जन-जन तक योग एवं आयुर्वेद के लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

एफएलएस-2026 की तैयारी पूरी, 6 से मूल्यांकन

कैथल। राज्य शिक्षा अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद गुरुग्राम के दिशा-निर्देशानुसार एफएलएस-2026 (**Foundational Learning Study**) मूल्यांकन की तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। यह मूल्यांकन 6 से 8 मई 2026 तक सभी चयनित 16 (सरकारी एवम निजी) विद्यालयों में होगा। जिला एफएलएन समन्वयक नरेश कुमार के अनुसार इस बार मूल्यांकन प्रक्रिया को अधिक डिजिटल एवं पारदर्शी बनाने के लिए फील्ड इन्वेस्टिगेटर्स को टैबलेट उपलब्ध करवाए गए हैं। टैबलेट के माध्यम से विद्यार्थियों के अधिगम स्तर का सटीक एवं त्वरित आकलन किया जाएगा, जिससे डेटा विश्लेषण अधिक प्रभावी ढंग से किया जा सकेगा। मूल्यांकन से पूर्व 4 व 5 मई 2026 को जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (**DIET**), कैथल में दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इस प्रशिक्षण में सभी फील्ड इन्वेस्टिगेटर्स को मूल्यांकन प्रक्रिया, डिजिटल उपकरणों के उपयोग एवं रिपोर्टिंग प्रणाली के बारे में विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हुड्डा कॉम्पलेक्स, डी.आर.डी.ए. के सामने, जीन्द
हरिभूमि कार्यालय, करनाल रोड, जाट स्टेडियम के सामने, कैथल
फोन : 8295157800, 8814999186, 8814999166, 9253681005

श्रमिकों को दिया सम्मान और समानता का संदेश

मोतीलाल नेहरू पब्लिक स्कूल के बच्चों ने मनाया श्रम दिवस

श्रम दिवस के महत्व पर आधारित भाषण गीत प्रस्तुत किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जींद

जींद। कार्यक्रम में भाग लेते हुए बच्चे। फोटो : हरिभूमि

मोतीलाल नेहरू पब्लिक विद्यालय की सैपलिंग शाखा में श्रम दिवस बड़े ही उत्साह, उमंग और रचनात्मकता के साथ मनाया गया। इस विशेष अवसर पर छोटे-छोटे नन्हे विद्यार्थियों ने गतिविधियों के माध्यम से श्रम के महत्व को समझा और उसे व्यवहार में अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का आयोजन सैपलिंग विभाग की कोऑर्डिनेटर पूजा पसरीजा की देखरेख में हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत प्रार्थना सभा से हुई। जिसमें बच्चों ने श्रम दिवस के महत्व पर आधारित छोटे-छोटे भाषण, कविताएं और गीत प्रस्तुत किए। नन्हे विद्यार्थियों ने अपने सरल और मासूम शब्दों में यह बताया कि श्रम हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है और हर कार्य का सम्मान करना चाहिए। इस अवसर पर बच्चों के लिए कई रोचक और शिक्षाप्रद गतिविधियों का आयोजन किया गया। विशेष रूप से कम्युनिटी हेल्पर्स विषय पर आधारित गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को समाज में विभिन्न कार्य करने वाले लोगों के महत्व से परिचित कराया गया। बच्चों ने सफाई, पौधारोपण, कक्षा की सजावट और छोटे-छोटे दैनिक कार्यों को स्वयं करके श्रम की गरिमा को अनुभव किया। शिक्षकों द्वारा बच्चों को यह सिखाया गया कि कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होताए बल्कि हर कार्य सम्मान के योग्य होता है। विशेष रूप से आयोजित रोल प्ले गतिविधि में बच्चों के साथ-साथ शिक्षकों ने भी भाग लिया। जिसमें सभी ने माली, सफाई कर्मचारी, शिक्षक, डॉक्टर, पुलिसकर्मी और अन्य कम्युनिटी हेल्पर्स की भूमिका निभाई।

बच्चों को व्यावहारिक शिक्षा देना आवश्यक

सैंपलिंग विभाग की कोऑर्डिनेटर पूजा पसरीजा ने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियों का उद्देश्य बच्चों में प्रारंभिक अवस्था से ही श्रम के प्रति सम्मान, आत्मनिर्भरता और सभी पेशों के प्रति समान दृष्टिकोण विकसित करना है। उन्होंने बताया कि बच्चों को व्यवहारिक शिक्षा देना अत्यंत आवश्यक है ताकि वे जीवन के वास्तविक मूल्यों को समझ सकें।

कार्यक्रम की सराहना

विद्यालय प्रबंध समिति अध्यक्ष संदीप दहिया एवं प्राचार्य रविंद्र कुमार ने कहा कि श्रम दिवस केवल एक दिवस नही है बल्कि यह हमें यह सिखाता है कि जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए निरंतर परिश्रम करना आवश्यक है। उन्होंने नन्हे मुन्ने बच्चों की सराहना करते हुए कहा कि इतनी छोटी उम्र में ही बच्चों ने जिस उत्साह और लगन के साथ इस कार्यक्रम में भाग लिया, वह अत्यंत प्रशंसनीय है। कहा कि विद्यालय का उद्देश्य केवल शैक्षणिक शिक्षा देना नहीं है बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास पर ध्यान देना है।

वर्ल्ड लाफ्टर-डे स्पेशल

आमतौर पर हंसने को सामान्य शारीरिक क्रिया माना जाता है। लेकिन दुनिया भर में हुए अनेक मेडिकल स्टडीज से यह साबित हुआ है कि हंसी, नेचुरल मेडिसिन की तरह होती है। हमारी मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाने में हंसने की बहुत कारगर भूमिका होती है। हंसने के क्या फायदे होते हैं, इसे कैसे थेरेपी की तरह यूज कर सकते हैं, इस बारे में विस्तार से जानिए।

स्ट्रेस करे दूर-मेंटल हेल्थ को बनाए बेहतर हंसी

कवर स्टोरी
रजनी अरोड़ा

भारती पीएचडी के अंतिम वर्ष में थी। थीसिस सबमिशन की डेडलाइन नजदीक आने के कारण अत्यधिक तनाव, एंग्जाइटी और नींद न आने की समस्या का सामना कर रही थी। उसका मानसिक संतुलन बिगड़ रहा था, पढ़ाई पर फोकस नहीं कर पा रही थी। यहां तक कि उसकी दिनचर्या भी गड़बड़ा गई थी। पैरेंट्स ने उसकी स्थिति को देखते हुए मनोवैज्ञानिक को कंसल्ट किया। उसकी केस हिस्ट्री जानने और थेरेपेटिक इंटरवेंशन के बाद डॉक्टर ने उसे 'लाफ्टर रूल: 3-10-30' फॉलो करने की सलाह दी। शुरुआत में भारती को यह अभ्यास साधारण और प्रभावहीन लगा, लेकिन दो सप्ताह के भीतर उसने तनाव में कमी, मूड स्थिरता और कंसंट्रेशन में सुधार महसूस किया। यह परिवर्तन केवल संयोग नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित माइक्रो-बिहेवियरल इंटरवेंशन का परिणाम था।

जीवन में बढ़ रहा है तनाव

आज की तेज रफ्तार भरी जिंदगी में बढ़ती अपेक्षाएं, प्रतिस्पर्धा, हाई प्रेशर जॉब्स, डिजिटल निर्भरता ने हम सभी के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित किया है। व्यक्ति हंसना मानो भूलता जा रहा है। स्ट्रेस, एंग्जाइटी, डिप्रेशन, ओवर थिंकिंग, बर्नआउट जैसी मानसिक समस्याएं तेजी से उभर रही हैं और गंभीर वैश्विक चुनौती बनती जा रही हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार विश्व स्तर पर लगभग हर 8 में से 1 व्यक्ति किसी न किसी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या से जूझ रहा है। भारत में भी लगभग 14 प्रतिशत जनसंख्या अपने जीवनकाल में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का अनुभव करती है।

हंसना है कारगर उपाय

एक शोध के अनुसार बच्चे दिन में औसतन 300-400 बार हंसते हैं, जबकि वयस्क केवल 8-10 बार। यानी बड़े होते-होते हम हंसी की यह अद्भुत प्राकृतिक शक्ति खो देते हैं। हालांकि व्यक्ति इन समस्याओं की गिरफ्त में न आने और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाए रखना चाहता है, जिसके लिए कई तरह की साइकोलॉजिकल थेरेपी, मेडिटेशन एप्स, मेडिकेशन का भी सहारा लेता है। लेकिन प्रकृति-प्रदत्त उस सहज उपलब्ध और अनमोल उपहार को अकसर नजरअंदाज कर जाता है। वो उपहार है-हंसी या कुछ पल के लिए खुलकर हंसना। हास-परिहास को मानव की एक सहज भावना या स्वाभाविक प्रक्रिया है। खुशी किसी बड़ी उपलब्धि में नहीं, बल्कि रोजमर्रा के छोटे-छोटे पलों में छिपी होती है। अगर हम डेली रुटीन में पॉवरफुल टूल यानी हास्य को अपनाने की आदत डाल लें तो निश्चय ही तमाम तरह की मानसिक परेशानियों से आसानी से बचा जा सकता है।

फॉलो करें लाफ्टर रूल

जीवन को खुशहाल बनाने के लिए वैज्ञानिक भी 'लाफ्टर रूल: 3-10-30' फॉलो करने पर बल देते हैं। भले ही छोटा लगे, लेकिन इसका प्रभाव बहुत गहरा होता है। माइक्रो-बिहेवियरल इंटरवेंशन के माध्यम से यह रूल व्यक्ति को अपने मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने में मदद करता है। इसमें तीन मुख्य घटक हैं- 3 यानी, दिन में कम से कम तीन बार दिल से मुस्कुराएं या खुलकर हंसें। किसी भी रूप में, कुछ मजेदार देखते या सुनते हुए। 10 यानी, अपने कार्य के दौरान दस मिनट का एक लाफ्टर ब्रेक लें। हास्यपूर्ण गतिविधियों में शामिल हों, जो हमें हंसने या मुस्कुराने का मौका दें। जैसे- कॉमेडी वीडियो देखना, मजेदार किताब पढ़ना, दोस्तों या परिवार के साथ हंसी-मजाक करना या बच्चों के साथ खेलना। 30 यानी, दिन में कई बार 30 सेकेंड के लिए हंसने या मुस्कुराने का प्रयास करें। छोटी-छोटी खुशियों को महसूस करना और उन पर मुस्कुराना भी इसमें शामिल है। जैसे- किसी सुंदर दृश्य को देखकर, किसी बच्चे की मासूम हरकत पर या किसी हल्के-फुल्के मजाक पर मुस्कुरा देना।

कैसे काम करती है हंसी

हंसी को नेचुरल एंटी-डिप्रेसेंट भी कहा जाता है। यह एक नेचुरल स्ट्रेस रिलीफ मैकेनिज्म के रूप में कार्य करती है। जब हम खुलकर हंसते हैं, तो हमारे शरीर में कई महत्वपूर्ण न्यूरोकेमिकल का स्राव बढ़ जाता है। एंडोर्फिन (प्राकृतिक दर्द निवारक, जो खुशी और संतुष्टि की भावना उत्पन्न करता है), डोपामाइन (मोटिवेशन और खुशी से जुड़ा न्यूरोट्रांसमीटर), सेरोटोनिन (मूड को संतुलित रखने वाला रसायन)। वहीं हंसी, कॉर्टिसोल (तनाव हार्मोन) के स्तर को घटाती है। ये केमिकल मूड को बेहतर बनाते हैं, शरीर की मांसपेशियों को आराम पहुंचाते हैं और तनाव को कम करते हैं।

हंसी के पीछे का मनोविज्ञान

मनोविज्ञान के सिद्धांतों के माध्यम से भी हंसी के प्रभाव को समझा जा सकता है। इस बारे में यहां विस्तार से बता रहे हैं।

इमोशनल रेग्युलेटर: मनोविज्ञान के अनुसार हंसी एक प्रभावी इमोशनल रेग्युलेटर है, जो तनाव और नकारात्मक भावनाओं को कम करती है। कठिन परिस्थितियों का सामना करने में मदद करती है।

बिहेवियरल एक्टिवेशन थ्योरी: इसके हिसाब से केवल भावनाएं ही व्यवहार को प्रभावित नहीं करतीं, बल्कि व्यवहार भी भावनाओं को बदल सकता है। यानी यदि व्यक्ति जान-बूझकर हंसता है, तो उसका मूड स्वतः बेहतर हो सकता है।

फेशियल फीडबैक हाइपोथीसिस: सिर्फ मुस्कुराने से भी खुशी का अनुभव हो सकता है। मुस्कुराने पर चेहरे की मसल्स अनायास ही ब्रेन को संकेत भेजती हैं, जिससे भावनाएं प्रभावित होती हैं और मूड में सुधार होता है।

मूड कॉन्ग्रुएंट बिहेवियर: यह एक मनोवैज्ञानिक पैटर्न है, जिसमें व्यक्ति अपने वर्तमान मूड के अनुरूप ही कंटेंट या गतिविधियों को चुनता है। जैसे- जब हम दुःखी होते हैं, तो हम दुःख भरे गाने, वीडियो या विचारों की ओर आकर्षित होते हैं। यह पैटर्न नकारात्मक भावनात्मक चक्र को बढ़ा सकता है। लेकिन यदि हम दुखी होने पर सचेत रूप से अपने व्यवहार में बदलाव लाएं या हंसने की कोशिश करें, तो इस नकारात्मक चक्र को तोड़ सकते हैं।

मेंटल बैलेंस को सुधारे हंसी

हंसी केवल खुशी का प्रतीक नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन बनाए रखने की एक गहरी और वैज्ञानिक प्रक्रिया भी है। इससे कॉग्नीटिव फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ती है। नर्वस सिस्टम पर सकारात्मक असर पड़ता है। जब हम हंसते हैं, तो हमारा ब्रेन अधिक सक्रिय और क्रिएटिव हो जाता है। समस्याओं को नए दृष्टिकोण से देख पाता है और आउट ऑफ द बॉक्स सोच विकसित होती है। कई बार कठिन समस्या का हल भी निकाल पाता है। बार-बार हंसने से दिमाग में नए न्यूरल पाथवे बनते हैं। इससे धीरे-धीरे नकारात्मक सोच की आदत कमजोर और सकारात्मक सोच मजबूत होती है। हंसने से भावनात्मक मजबूती बढ़ती है। मुश्किल परिस्थितियों में भी टिके रहने की शक्ति देती है। जो लोग कठिन समय में भी हल्का-फुल्का हास्य बनाए रखते हैं, वे तनाव और असफलताओं से जल्दी उबर जाते हैं। लगातार काम, जिम्मेदारियों और तनाव के कारण जो थकान या बर्नआउट होता है, उसमें हंसी एक रिचार्ज बटन की तरह काम करती है। दिमाग को रीसेट होने का मौका मिलता है। संक्रामक प्रवृति होने के कारण हंसी, सोशल एंग्जाइटी को कम करती है। यह शरीर में सकारात्मक जैविक बदलाव लाकर तनाव कम करती है, मांसपेशियों को आराम देती है, रक्त संचार को सुधारती है और प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत बनाती है। समग्र भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाकर व्यक्ति को दीर्घकालिक बीमारियों से लड़ने में सक्षम बनाती है। हंसने से शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन का स्राव बढ़ता है, जो रात में सुकून की नींद दिलाने में सहायक है। *

(बहरीन स्थित ब्रिटिश यूनिवर्सिटी में साइकोलॉजी की प्रोफेसर डॉ. कोमल चावला से बातचीत पर आधारित)

बेहतरीन थेरेपेटिक टूल भी है लाफिंग

वर्तमान दौर में हास्य का इस्तेमाल थेरेपेटिक टूल या स्ट्रक्चर थेरेपी की तरह बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। कई जगह लाफ्टर क्लब संचालित होते हैं, जिनमें मानसिक स्वास्थ्य, खासकर तनाव प्रबंधन के लिए लाफ्टर-थेरेपी या लाफ्टर-योगा कराया जाता है। इसमें कराई जाने वाली लाफिंग-एक्सरसाइज आर्टिफिशियल हंसी होती है, जिसमें व्यक्ति को बिना किसी कारण के जबरदस्ती हंसाया जाता है। शुरू में भले ही यह हंसी जबरन होती है, लेकिन चंद सेकेंड के बाद यह कुदरती रूप ले लेती है। ब्रेन का पैटर्न बनता है। ब्रेन, असली और बनावटी हंसी में अंतर नहीं कर पाता। आर्टिफिशियल हंसी को वास्तविक इमोशनल सिगनल मानता है और मानसिक परेशानियों को भुलाने में मदद करता है।

लाइफस्टाइल
सरस्वती रमेश

हैप्पी लाइफ के लिए जरूरी है हंसना

हंसने से हेल्थ अच्छी रहती है, सोशल रिलेशन स्ट्रॉन्ग बनते हैं, फील गुड होता है। इसलिए जब जहां मौका मिले खूब हंसिए, खिलखिलाइए, दूसरों को भी हंसाइए और अपनी लाइफ को हैप्पी बनाइए।

दुनिया के महानतम हास्य कलाकारों में से एक चार्ली चैपलिन ने कहा है कि हंसी के बिना बीत गया दिन बर्बाद किया गया दिन है। उनकी इस उक्ति में वास्तव में जीवन का गहनतम दर्शन छिपा हुआ है। क्योंकि हंसी से विहीन जीवन, नीरस और बोझिल होता है। हंसी जीवन को उल्लास से जीने की प्रेरणा है। इस प्रेरणा के सहारे जीवन के उतार-चढ़ाव, कमी-बेसी, जीत-हार भरे दिन धैर्य से बीत जाते हैं। उनसे मिले सबक से जीवन को अनुभवों से युक्त किया जाता है। यही अनुभव भविष्य में हमारे मार्गदर्शक बन जाते हैं और हमें अच्छे दिनों की रोशनी में ले जाते हैं। उस रोशनी में हम अपने प्रियजनों के साथ दिल खोलकर हंसते हैं। खुशियां मनाते हैं।

हंसी एक खजाना है: अमेरिकी दार्शनिक विलियम जेम्स का कहना है कि हम खुश होते हैं, इसलिए नहीं हंसते बल्कि हम हंसते हैं, इसलिए खुश होते हैं। मतलब साफ है कि जीवन का आनंद हमारी मुट्ठी में है। यदि हम खुश रहना चाहते हैं तो हमें हंसना-हंसाना सीखना होगा। जीवन में हंसी का खजाना बेशकीमती होता है। जिसके पास यह खजाना है, वह दुनिया का सबसे दौलतमंद इंसान है। वह बड़ी से बड़ी परेशानी का सामना हंसते हुए कर लेता है। जरा एक छोटे से बच्चे की हंसी को देखिए। उसकी हंसी कितनी निश्छल और उन्मुक्त होती है। बिल्कुल किसी राजा के शाही खजाने की तरह। ऐसी ही मुस्कान की जरूरत हमें उम्र के हर पड़ाव पर होती है। मगर जीवन की आपाधापी में उम्र बढ़ने के साथ अकसर हम हंसना भूल जाते हैं। हमें हंसी की महत्ता को स्वयं तो समझना ही होगा और दूसरों को भी समझाना होगा। हंसी को संक्रमण की तरह फैलाना होगा। धूप, हवा, पानी और प्रकृति की हजारों नेमतों की तरह हंसी भी मुफ्त का उपहार है। कुदरत ने हमें यह उपहार जीवन को सुंदर बनाने के लिए ही दिया है।

कई बीमारियों के उपचार में सहायक: हंसने के अनेक फायदे होते हैं। मनोचिकित्सकों और डॉक्टरों का कहना है कि हंसने से सिर्फ हमारा मूड अच्छा नहीं होता बल्कि हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य पर भी इससे सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। हम मानसिक रूप से बेहतर महसूस करते हैं। आपको जानकार हैरानी होगी कि सिर्फ दस से पंद्रह मिनट हंसने से चालीस कैलोरी तक बर्न होती है। हमारा हार्ट अच्छे से काम करता है और ब्लड प्रेशर नियमित रहता है। कैंसर के मरीजों पर जब लाफ्टर थेरेपी का प्रयोग किया गया तो नतीजे चौंकाने वाले निकले। हंसने से उनका दर्द आधा रह गया था। आपको 'मुन्ना भाई एम. बी. बी. एस.' फिल्म तो याद ही होगी। फिल्म का मुख्य किरदार मुन्ना, मरीजों को हंसाकर और खुश करके ठीक करने की कोशिश करता है। यह महज कल्पना नहीं बल्कि इसमें कुछ सच्चाई भी है। ऐसा कई स्टडीज में पाया गया है कि जिन मरीजों को उपचार के साथ हंसी की खुराक भी मिलती है, वे जल्दी स्वस्थ होते हैं। यानी हंसी से दूर रहने वालों को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह का नुकसान भुगतना पड़ सकता है।

सामाजिक रिश्ते बनाए मजबूत: हंसने से हमारे सामाजिक रिश्ते भी मजबूत बनते हैं। किसी के साथ हंसकर बात करने से हम भावनात्मक रूप से सुदृढ़ महसूस करते हैं। यही भावना साथ वाले व्यक्ति के प्रति आत्मीयता में इजाफा करती है और हमारे भरोसे को बढ़ाती है। जब हम अपने मित्रों, परिचितों और रिश्तेदारों के साथ रहते हैं, तब हंसी-मजाक की संभावना भी बढ़ जाती है और रिश्तों में प्रगाढ़ता भी। दरअसल, हंसने-हंसाने से ही हमारे संबंधों को खाद पानी और नई ऊर्जा मिलती है। हमारे परिवार के हर सदस्य को प्रतिदिन हंसी की छोटी-बड़ी खुराक देने की जरूरत पड़ती है।

बढ़ती है इम्यूनिटी पावर: दिल खोलकर हंसने से तनाव कम होता है। कई शोधों से यह भी पता चला है कि हंसने से हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है, क्योंकि हंसने से शरीर में एंटीऑक्सीडेंट्स का उत्पादन बढ़ जाता है और यह इम्यून सेल्स को सक्रिय करता है। हमारे शरीर में यही सेल्स बीमारियों और संक्रमण से लड़ने में हमारी मदद करते हैं। इसलिए नियमित रूप से हंसने से इम्यून सिस्टम को बूस्ट मिलता है।

कह सकते हैं कि हंसी जीवन को खुशहाल बनाने का अचूक नुस्खा है। इसलिए मुफ्त में उपलब्ध इस कुदरती नियामत का भरपूर उपयोग करने में ही समझदारी है। *

नवगीत
डॉ. गुरु सरन लाल

मुश्किल बहुत बना डाला

कितना सरल है जीवन लेकिन
मुश्किल बहुत बना डाला।
अव्यवस्थित जीवनशैली
बातें भी हैं जाने कैसी
किसी का कोई लिहाज नहीं है
रिश्तों की तो ऐसी-तैसी
अक्ल पर लगा दिया ताला।
भौतिकता के पागलपन में
आपाधापी मची जीवन में
नियम कानून को ताक पे रखते
पानी सूख गए अंखियन में
नैतिकता को पड़ गया पाला।
कितना सरल है जीवन लेकिन
मुश्किल बहुत बना डाला।

व्यंग्य
राजा चौरसिया

जबरन हंसना पड़ेगा

समय बहुत ही परिवर्तनशील है। आज और कल में अर्थात अब और तब में धरती-आसमान जैसा विशाल अंतराल है। यह विकराल होकर भी अनिवार्य रूप से स्वीकार्य है। असली फूलों का विकल्प नकली फूल हैं। जिगर से ज्यादा फिगर तथा मुखड़े से ज्यादा मुखौटे के चलन के प्रतिफलन से ही कुशलता है। उसी के पास अपडेट फिटनेस का सर्टिफिकेट है, जो बयार के अनुसार ही चलता है। इस दिखाऊ युग की कभी जरा भी निंदा करना, जिस थाली में खाना उसी में छेद करना माना जाता है। मगर से बैर करने से खैर नहीं, अगर उसके ही पानी में रहना है। इस जगाने में स्वाभाविकता, सहजता और दुग्ध-धवलता के अकाल के दौर में जबरन के शिष्टाचार की लपेट या चपेट में आना प्रासंगिक है। अंदर से खुशी या हंसी न रहते हुए भी औपचारिकता के नाम पर जबरदस्ती की हंसी अत्यंतावश्यक हो गई है। बॉस पर क्यों न आपको गुस्सा बेहिसाब आ रहा हो, उसके हंसने पर आपको भी हंसना जरूरी ही नहीं मजबूरी भी हो जाती है। जब पारदर्शिता के बिना प्यारदर्शिता का जलवा है और सच की हालत हलवा है, तब स्वाभाविक हंसी के बारे में किंचित भी चिंतित नहीं होना चाहिए। जब रियल से भी बढ़कर आर्टिफिशियल हो जाए, तब जबरन हंसने की गुणवत्ता की ही महत्ता है।

अंदर से खुश न रहते हुए भी बाहर जबरन हंसना, गुड बीइंग से बढ़कर गुड लुकिंग बनाता है। स्किल से पहले स्किन का तथा कर्म सौंदर्य के पहले चर्म सौंदर्य की मान्यता है। आज आचरण से बढ़-चढ़कर आवरण को लाइक करना स्वयं के लायक होने का प्रमाण है। नकलियत के अनुकूल जबरन हंसमुखता को प्रमुखता प्रदान करने की कला से ही भला है। घोर निंदक होकर भी दूसरों के सम्मुख हंसमुख दिखाकर उनकी प्रशंसा करने की मंशा वह विशेषण है, जिसका विश्लेषण करना मीटर से किलोमीटर नापना है।

चार दिन की चांदनी यह जिंदगी है। किसी को आईना दिखाना, अर्थात दुर्मति के कारण अपनी दुर्गति कराना है। जैसे फोटो खिंचवाते समय स्माइल प्लीज सुनते ही जबरन हंसना पड़ता है, वैसे ही वर्तमान यारी, रिश्तेदारी एवं दुनियादारी को फीड करने और बची-खुची मौलिकता को डिलीट करने का हुनर हर नर में होना चाहिए। 'समथिंग इज बैटर देन नथिंग' के अनुसार सीधी चतुराई से ज्यादा चालाकी वाली ट्रिक को क्लिक ही करना है। बिल्कुल खुश न रहते हुए भी भरपूर खुश दिखने से ही व्यावहारिकता को प्राथमिकता देना है। भीतर से झुलसते हुए भी बाहर से जबरन हंसते हुए नमस्ते करना ही शिष्टाचार का नीक व सटीक प्रतीक है। डिफेक्टिव होकर भी अट्रैक्टिव तथा अफेक्टिव दिखने के जबरिया नेचर को सिग्नेचर जैसे स्थाई बनाए रखना है। बिकाऊ जिंस की तरह जिस्म को भी दिखाऊ तथा रिझाऊ बनाए रखने के चातुर्य का प्राचुर्य होना परिवार में भी बेहद आवश्यक है।

आधुनिकता के परवाने जैसे दीवाने पति महोदय मिर्ची जैसी सुपत्नी को मिश्री से बढ़कर मीठी कहकर, हर तरह की आपत्ति और विपत्ति से मुक्त रहते हैं। क्रुद्ध होकर भी गृहयुद्ध से बचने के लिए जबरन हंसकर प्राणप्यासी को प्राणप्यारी कहना दुःखिया होकर भी सुखिया दिखने की बुद्धिमानी है। वातावरण के अनुसार ही आचरण होना चाहिए।

अब जब हंसने के दिन आए हैं, तो इसे सामयिक कटु सत्य मानकर उसी में चलने-ढलने में ही सार है। जब सब कुछ ऊपर-ऊपर ही चलता है, तब दिल को छूकर देखने की बात हास्यास्पद है। आज तो हर कमाऊ व्यक्ति बहुत ही बिजी होने के कारण ईजी नहीं रह सकता। इसीलिए नकली या फसली हास्य-मुद्राएं ही बेहद आवश्यक हैं। प्योरिटी की श्योरिटी न होने के कारण नकली फूलों पर इत्र का स्प्रे स्वाभाविक है। खाद्य से लेकर पेय तक शुद्धता की गारंटी या वारंटी नहीं है। मंचों पर संबोधन से लेकर उद्बोधन तक जबरन स्माइल की स्टाइल मोस्ट वांटेड है। केवल लाफ्टर डे पर ही नहीं, रोजमर्रा की जिंदगी में भी जबरन ही सही हंसना ही पड़ता है। *

लघुकथा / विनय मोघे

सबक

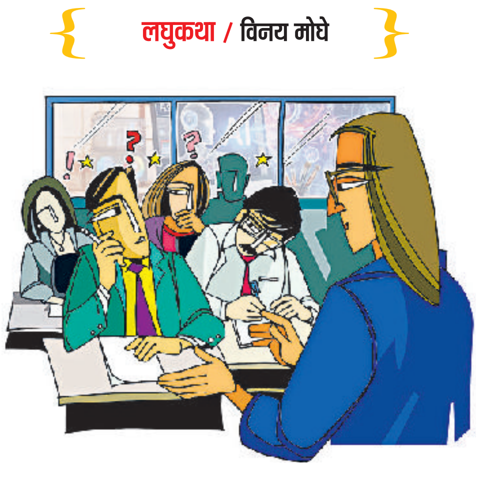

एक बड़ी मल्टी नेशनल कंपनी की इंदौर शाखा के लिए मैनेजर के पद के लिए कंपनी के एचआर विभाग में हजारों की संख्या में ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन प्राप्त हुए। हर आवेदन पत्र एक से बढ़कर एक। हर आवेदक ने अपनी योग्यता, अनुभव को अपने रिज्यूमे में आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया था। ऐसा लगता था कि लगभग हर रिज्यूमे को एआई की मदद से बनाया गया है। एचआर विभाग के अनुभवी अधिकारियों ने इन आवेदनों में से कुछ आवेदकों को इंटरव्यू के लिए बुलाया। इंटरव्यू के दिन सभी आवेदक अच्छी वेशभूषा में अपने जरूरी दस्तावेजों के साथ कंपनी के दफ्तर में पहुंचे। सभी आवेदकों को एक हॉल में बिठा दिया गया, जैसे स्कूल-कॉलेज में परीक्षा कक्ष में परीक्षार्थियों को बैठाया जाता है। सभी आवेदकों को निर्देश दिए गए कि उन्हें निश्चित समय में अपना रिज्यूमे वहीं लिखकर तैयार करना है, बिना किसी तकनीकी सहायता के। इंटरव्यू के लिए आए आवेदकों के लिए यह अनपेक्षित था। सभी प्रश्नवाचक नजरों से एक-दूसरे को देखने लगे। उनके चेहरे के हाव-भाव बता रहे थे कि लगभग सभी आवेदकों ने एआई की सहायता से ही अपने रिज्यूमे बनाए थे और अब बिना किसी सहायता के अपना वैसा ही प्रभावी रिज्यूमे बनाना उनको मुश्किल लग रहा था। रेज्यूमे जमा करने का समय खत्म होने वाला था। पर इक्का-दुक्का आवेदकों को छोड़कर किसी ने लिखना तक शुरू नहीं किया था। उन्हें देखकर लग रहा था कि कई सालों बाद वे कागज-कलम का उपयोग कर रहे हैं। आवेदकों में कुछ न लिख पाने के कारण बेचैनी दिखाई दे रही थी। समय समाप्त होने पर दो-तीन आवेदकों ने ही अपना रिज्यूमे लगभग वैसा लिखा था, जैसा उन्होंने भेजा था। इसके बाद सभी आवेदकों को प्रतीक्षा कक्ष में इंतजार करने लिए कहा गया। यहां अपनी बारी का इंतजार करते आवेदक एक-दूसरे से यही बात कर रहे थे कि किसी भी काम के लिए एआई की मदद लेना अच्छी बात है, पर पूरी तरह एआई पर निर्भर होकर अपनी कल्पनाशीलता और मौलिक लिखने की योग्यता को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। सभी के चेहरे पर इस बात का संतोष दिखाई दे रहा था कि उन्हें जीवन का एक सबक मिल गया था। *

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

पाठ पत्रिका का असम विशेषांक

विगत बीस वर्षों से निरंतर प्रकाशित हो रही त्रैमासिक पत्रिका 'पाठ' अपने विशेषांकों के लिए खासतौर पर चर्चित रहती है। हाल में ही इसका ताजा अंक 'असम विशेष' के रूप में प्रकाशित होकर आया है। इस विशेषांक से गुजरते हुए लगता है, जैसे अपने छोटे कलेवर में भी पाठ पत्रिका, असम की विविधवर्णी साहित्यिक-सांस्कृतिक झांकी को समेटे हुए है। यहां नंदेश्वर दैमारी और सैयद अब्दुल मलिक की अनूदित कहानियों, चंद्रमोहन और दिनकर कुमार की कविताओं के अलावा असमिया कहानियों, असमिया उपन्यासों, असमिया सिनेमा और असमिया समाज-संस्कृति पर अच्छे लेख मौजूद हैं। विश्व विख्यात गायक भूपेन हजारिका के व्यक्तित्व को प्रकट करता बढ़िया लेख भी यहां पढ़ सकते हैं। असमिया पत्रकारिता और बोडो साहित्य के बदलते रचना संसार को रेखांकित करता लेख, इस पत्रिका के महत्व को और बढ़ा देता है। इसके साथ ही इस अंक में हाल में दिवंगत हुए विनोद कुमार शुक्ल, ज्ञानरंजन और रंजीत भट्टाचार्य पर स्मृति लेख भी हैं। *

पत्रिका: पाठ (अप्रैल-जून 2026 अंक) असम विशेष, **संपादक:** देवांशु, **मूल्य:** 125 रुपए, **प्रकाशन स्थल:** बिलासपुर, छत्तीसगढ़

उत्तराखंड के ऑफबीट हिल स्टेशंस
दिखेंगे अनोखे नजारे-मिलेगा सुकून

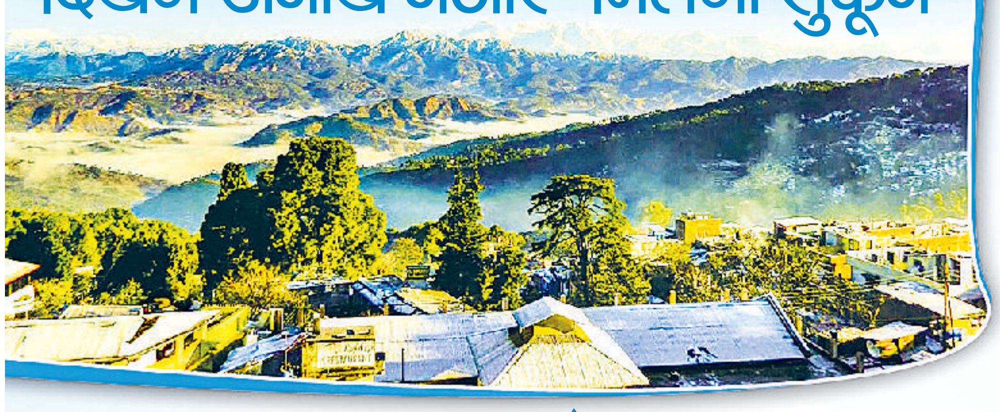

गर्मियों में जब भी हिल स्टेशन पर सैर की बात आती है तो कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के साथ ही उत्तराखंड भी पर्यटकों की हिट लिस्ट में शामिल होता है। लेकिन उत्तराखंड में केवल मसूरी, नैनीताल, हरिद्वार या अल्मोड़ा ही नहीं कई ऐसे छोटे ऑफबीट प्लेसेस भी हैं, जहां आपको दिलकश नजारे और अनोखा सुकून मिलेगा। ऐसे ही कुछ स्थलों पर एक नजर।

सैर-सपाटा / समीर चौधरी

इस तपती गर्मी में अगर आप उत्तराखंड की यात्रा करने की सोच रहे हैं तो भीड़-भाड़ भरे हिल स्टेशंस के बजाय इस बार कुछ ऑफबीट प्लेसेस का रुख कर सकते हैं। यहां की हरी-भरी वादियां और ऊंचे पर्वतों के बीच में से निकलती घुमावदार सड़कों से गुजरते हुए आपको अनोखा अनुभव मिलेगा। हम आपको उत्तराखंड में स्थित ऐसे ही कुछ डिफरेंट हिल स्टेशंस के बारे में बता रहे हैं, जो इन गर्मियों में आपके घूमने के लिए परफेक्ट डेस्टिनेशंस हो सकते हैं।

सर्द एहसास कराता है एबट

उत्तराखंड के एबट माउंट हिल स्टेशन के बारे में तो बहुत ही कम लोग जानते हैं, यही वजह है कि यहां लोगों की भीड़ देखने को नहीं मिलती। यह सुंदर जगह चीड़ व देवदार के जंगलों से घिरी हुई है। ब्रिटिश काल में बनाए गए यूनिक कॉटेज, इस जगह की खूबसूरती में चार चांद लगा देते हैं। यहां मौसम हमेशा ठंडा और माहौल बेहद सुकून भरा रहता है। यही वजह है कि यह जगह कपल्स, लेखकों, कलाकारों और अकेले घूमने वालों के लिए बहुत पसंदीदा मानी जाती है। यहां उगते हुए सूरज का सुंदर नजारा देखने के लिए, जंगल घूमने के लिए और पुराने ब्रिटिश कॉटेज देखने के लिए भी आपको जाना चाहिए।

प्राकृतिक सुंदरता-शांति का संगम पियोरा

उत्तराखंड का एक छुपा रुस्तम हिल स्टेशन है पियोरा, जो मुक्तेश्वर के नजदीक है। यह जगह अपनी प्राकृतिक सुंदरता व शांति के लिए विख्यात है। यहां की मोहक वादियों और दूर दिखने वाले हिमालय के पर्वतों का नजारा अत्यधिक सुकून प्रदान करता है। यहां न तो अधिक होटल हैं और न ही भीड़-भाड़ है। इसलिए गर्मियों में घूमने के लिए पियोरा अच्छी च्वाइस हो सकती है। पियोरा में आप जंगल के रास्तों पर ट्रैकिंग कर सकते हैं, डूबते हुए सूरज को देख सकते हैं।

पियोरा की मनमोहक वादियां

सदाबहार वन और घास के मैदान के लिए विख्यात चोपटा

ओक के घने पेड़ों से घिरा पंगोट

नैनीताल के पास पंगोट एक शांत एवं दिलकश हिल स्टेशन है, जो ओक और रोडोडेड्रोन के जंगलों से घिरा हुआ है। अगर आप ठंडे और सुकून भरे वातावरण घूमते हुए अनेक तरह के पक्षियों को देखना चाहते हैं तो यह स्थान आपके लिए परफेक्ट है। किलबरी बर्ड सेंचुरी यहीं पर है। यहां ट्रैकिंग भी कर सकते हैं।

पंगोट का खूबसूरत नजारा

मिनी स्विटजरलैंड जैसा चोपटा

चोपटा, रुद्रप्रयाग जिले में स्थित एक बेहद सुंदर हिल स्टेशन है, जिसे 'मिनी स्विटजरलैंड' भी कहा जाता है। यहां दूर-दूर तक सदाबहार वन और घास के मैदान फैले हुए हैं। यहां गर्मियों में भी मौसम ठंडा रहता है। ऐसे में सुंदर रास्तों पर ड्राइव करने में बहुत आनंद आता है। पक्षी प्रेमियों के लिए तो यह स्थान जन्नत से कम नहीं है, क्योंकि यहां 240 से अधिक प्रजातियों के पक्षी देखे जा सकते हैं।

प्रकृति की गोद में बसा चौकोरी

उत्तराखंड के कुमाऊं मंडल के पिथौरागढ़ में चौकोरी एक बेहद सुंदर-शांत हिल स्टेशन है, जहां आप बर्फ से ढंकी हिमालय की चोटियां, विशेष रूप से नंदा देवी और पंचचूली के दिलकश नजारे देख सकते हैं। यहां खूबसूरत चाय के बागान भी हैं। इनमें घूमना आपको अनोखे एहसास से भर देगा। प्रकृति की गोद में बसा यह स्थान आपको एक अलग ही अनुभव देगा।

सुहाने मौसम के लिए मशहूर खिर्सू

पौड़ी-गढ़वाल के सबसे सुंदर गांवों में से एक है खिर्सू। गर्मियों में भी खिर्सू का मौसम ठंडा व सुहावना रहता है। सुहाना मौसम और नजारे इतने दिलकश कि बर्फ से ढंके हिमालय को देखकर ऐसा जी करता है कि समय ठहर जाए, मंजर बदले ही नहीं। भीड़भाड़ से दूर अगर आपको अच्छे मौसम के साथ शांति भी चाहिए तो आपके लिए खिर्सू परफेक्ट ट्रैवल डेस्टिनेशन हो सकता है। यहां के खास आकर्षणों में सेब के बागान, ओक के जंगल, प्राचीन मंदिर और हिमालय व्यू पॉइंट हैं।

खिर्सू, ऋषिकेश से तकरीबन 130 किमी. के फासले पर स्थित है। ऋषिकेश से खिर्सू पहुंचने का यात्रा अनुभव भी आप कभी नहीं भूल पाएंगे। ऋषिकेश से लगभग 3 घंटे की सड़क यात्रा के बाद आप खिर्सू पहुंचेंगे। वहां कदम रखते ही आपको लगेगा जैसे प्रकृति अपनी बांहें फैलाए आपके स्वागत को तैयार है। प्रकृति प्रेमियों के लिए तो खिर्सू जन्नत सा एहसास देता है- कोई भागम भाग नहीं, बस सुकून भरे पल। वहां पर आप इस गांव की सैर करने के अलावा, हिमालय का अदभुत नजारा देख सकते हैं। प्राचीन चालेश्वर महादेव मंदिर में भगवान शिव के दर्शन कर सकते हैं। इसके अलावा ट्रैकिंग का लुत्फ उठा सकते हैं और नेचर वॉक कर सकते हैं। सेब के बागानों की सैर करते हुए दूर तक फैले देवदार और चीड़ के जंगल भी खिर्सू के मुख्य आकर्षण हैं। गर्मी की छुट्टियों के अलावा सितंबर से नवंबर या फिर फरवरी मार्च में भी आप खिर्सू जाने की योजना बना सकते हैं। यहां ठहरने के लिए सरकारी गेस्ट हाउस ही सबसे अच्छा विकल्प है।

भीड़ से दूर सुकून के लिए जखोल

उत्तरकाशी जिले के बेहद सुंदर हिल स्टेशन जखोल का महत्व इस लिहाज से भी है कि यह पारंपरिक व ऐतिहासिक गांव है, जो सांकरी के पास स्थित है। जखोल को 'पोटैटो विलेज' के नाम से भी जाना जाता है। जखोल में लकड़ी के घर, सीढ़ीदार खेत और सुंदर पहाड़ आप देख सकते हैं। गांव में घूमते हुए स्थानीय पहाड़ी संस्कृति को समझने के लिए भी यह स्थान उपयुक्त है। यहां हिमालयी ट्रैकिंग के कुछ प्रवेश द्वार भी हैं। इस तरह से कहा जा सकता है कि भीड़भाड़ से दूर सुकून और एडवेंचर पसंद करने वालों के लिए उत्तराखंड का जखोल आदर्श पर्यटन स्थल माना जा सकता है। *

एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म
दो हजार साल पुराना कंप्यूटर

आधुनिक कंप्यूटर का आविष्कार भले ही 19वीं सदी की बात हो। लेकिन आज से लगभग दो हजार वर्ष पूर्व ऐसे डिवाइस मौजूद थे, जो किसी एनालॉग कंप्यूटर की तरह काम करते थे। ऐसे ही एक प्राचीन कंप्यूटर एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म के बारे में जानिए।

रोचक
शिखर चंद जैन

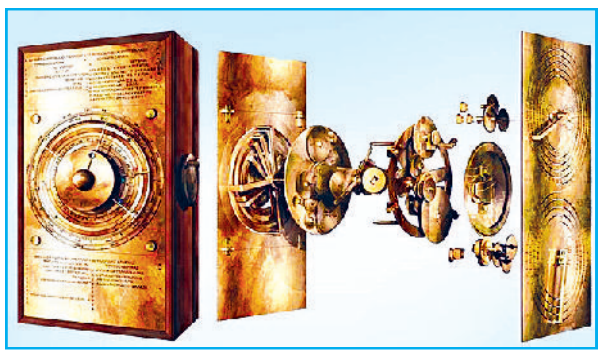

आपको शायद यह पढ़कर यकीन नहीं होगा कि आज से 2000 साल पहले भी कंप्यूटर मौजूद था। भले ही वो आज की तरह हाईटेक नहीं था लेकिन उसे कंप्यूटर का पहला स्वरूप माना जाता है।

समुद्र में मिला पहला कंप्यूटर: 1900 के पहले दशक की शुरुआत की बात है। ग्रीस (प्राचीन यूनान) के पास समुद्र की गहराइयों में डूबे एक जहाज के मलबे से मिली एक अजीबो-गरीब चीज ने पूरी दुनिया के वैज्ञानिकों को हैरान कर दिया था। भूमध्य सागर में, एंटीकाइथेरा नाम के एक छोटे से यूनानी द्वीप के पास, कुछ गोताखोर समुद्र की गहराइयों में मोती और स्पंज (समुद्री जीव) खोज रहे थे। उन्हें अचानक समुद्र के तल पर एक पुराना, डूबा हुआ जहाज मिला। यह जहाज सैकड़ों साल पुराना था। गोताखोरों ने मलबे से कई अद्भुत चीजें बाहर निकालीं- सुंदर मूर्तियां, धातु के बर्तन, ढेर सारी कीमती धातुएं और रत्न। लेकिन एक चीज सबसे अलग थी। वह धातु का एक अजीब-सा टुकड़ा था, जिस पर बहुत जंग लगी थी। यह कोई साधारण पत्थर या मिट्टी का बर्तन नहीं था। यह एक मशीन थी, जिसमें बहुत सारे गियर और पहिए लगे थे, ठीक वैसे ही जैसे हाथ घड़ी में होते हैं। इसे एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म कहा जाता है।

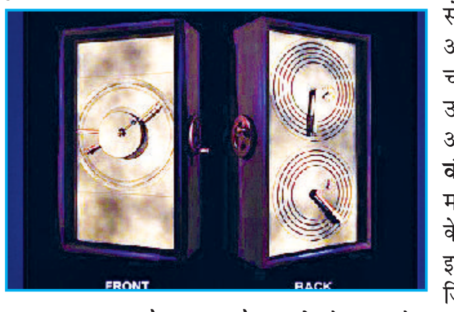

जब वैज्ञानिक इस जंग लगे टुकड़े को एथेंस के नेशनल आर्कियोलॉजिकल म्यूजियम में ले गए और उसे साफ किया, तो वे हैरान रह गए। यह कोई साधारण टुकड़ा नहीं था, यह दुनिया का सबसे पुराना 'एनालॉग कंप्यूटर' था!

इसलिए माना गया इसे कंप्यूटर: आज के कंप्यूटर बिजली से चलते हैं और उनमें कई चिप लगी होती हैं। एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म, बिजली से नहीं चलता था। यह एक मैकेनिकल कंप्यूटर था। इसका मतलब है कि यह छोटे-छोटे धातु के पहियों, जिन्हें गियर कहते हैं, से बना था। एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म में कम से कम 30 अलग-अलग गियर थे। जब कोई व्यक्ति इसमें एक हैंडल घुमाता था, तो मशीन के आगे और पीछे लगे डायल पर लगी सुइयां हिलती थीं। यह मशीन कंप्यूटर की तरह ही सटीक गणनाएं करती थी। हजारों साल पहले लोगों के अद्भुत इंजीनियरिंग की समझ का उदाहरण है एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म।

कई गणनाओं में था सक्षम: यह एक प्रकार का खगोलीय कैलकुलेटर था, जो अंतरिक्ष के बारे में गणना कर सकता था। यह ग्रहों और चंद्रमा की चाल बता सकता था। यह इस बात की भी गणना कर लेता था कि आने वाले महीनों और सालों में आकाश में चंद्रमा और सूर्य की स्थिति क्या होगी? यह कंप्यूटर पूर्णिमा और अमावस्या के साथ ही ग्रहण की भी गणना कर सकता था।

एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म में एक खास डायल था, जिसे सरोस डायल कहते थे। यह डायल सटीक तरीके से बता सकता था कि अगले 18 सालों में सूर्य और चंद्र ग्रहण कब-कब होंगे? उस जमाने में यह किसी आश्चर्य से कम नहीं था।

कंप्यूटर की संरचना: यह मशीन एक लकड़ी के बक्से के अंदर रखी हुई थी और इसके चारों ओर दरवाजे थे, जिन पर निर्देश लिखे थे। वैज्ञानिकों ने एक्स-रे तकनीक का उपयोग करके मशीन के अंदर देखा, उन्होंने पाया कि अंदर के गियर कांस्य यानी कॉपर के बने थे। उनकी संरचना छोटी और जटिल थी। कुछ गियर तो सिर्फ एक मिलीमीटर चौड़े थे। यह दिखाता है कि उस समय के कारीगर कितने कुशल थे। वे जानते थे कि गियर को एक-दूसरे के साथ सही अनुपात में कैसे फिट किया जाए ताकि वे गणितीय/खगोलीय गणनाएं कर सकें।

यह इतना महत्वपूर्ण क्यों है: इस मशीन की खोज से पहले, वैज्ञानिकों को लगता था कि इतनी जटिल मशीनें मध्य युग या पुनर्जागरण काल तक नहीं बनाई गई थीं। एंटीकाइथेरा मैकेनिज्म ने यह सोच बदल दी। इसने साबित कर दिया कि 2,000 साल पहले भी, लोगों के पास अविश्वसनीय तकनीकी ज्ञान था। यह मशीन आज की जटिल घड़ियों, कंप्यूटर और खगोलीय उपकरणों की पूर्वज मानी जाती है। *

टेक्नोइंपैक्ट
अपराजिता

एक समय तक लोग हंसने के लिए एक-दूसरे को चुटकुले सुनाते, सर्कस में जोकर की हरकतें, स्टैंडअप कॉमेडी शो या कॉमेडी मूवीज देखते थे। लेकिन आज एआई और चैट-जीपीटी के जमाने में हंसना-हंसाना भी स्वाभाविक न होकर टेक्नोलॉजी जेनरेटेड होता जा रहा है। हास्य के बदलते ट्रेंड पर एक नजर।

लाफ्टर पर हावी होती टेक्नोलॉजी
हंसने-हंसाने का बदल गया तरीका

हर साल मई के पहले रविवार को वर्ल्ड लाफ्टर-डे मनाया जाता है। आज लाफ्टर-डे है। हास्य दिवस हमें इस बात की याद दिलाता है कि हंसी सिर्फ एक भाव नहीं बल्कि सामाजिक ऊर्जा भी है। एक ऐसी ताकत, जो तनाव, अलगाव और भय को दूर कर देती है। लेकिन इस एआई के दौर में सब चीजें वैसी ही नहीं रहीं, जैसी हम उन्हें अब तक जानते रहे हैं।

हास्य में एआई का हस्तक्षेप

हास्य के क्षेत्र में एआई ने जबरदस्त हस्तक्षेप किया है। आज का हास्य सिर्फ इंसानी अनुभव नहीं है बल्कि एक खास तरह का एल्गोरिद्म बन चुका है, डेटा और मशीन लर्निंग का मिला-जुला रूप है। आज एआई टूल्स ने हास्य को कहीं ज्यादा लोकतांत्रिक बना दिया है। पहले स्टैंडअप कॉमेडी या व्यंग्य लेखन एक विशेष कौशल माना जाता था। लेकिन आज यह कौशल नहीं बल्कि प्रॉम्प्ट्स बनकर रह गया है। आप चैटजीपीटी या किसी भी लार्ज लैंग्वेज मॉडल को कुछ संकेत करिए, वो पल भर में आपको चुटकुले, मीम्स या व्यंग्यात्मक लेख तैयार करके दे देगा। इसका एक सकारात्मक पहलू यह है कि छोटे शहरों, कस्बों और गांवों में भी हंसने की नई-नई विधाएं, नई-नई आवाजें उभर रही हैं। लेकिन इसका एक दूसरा पहलू भी है, जब हर कोई हास्य बना सकता है, तो भला हंसने की जरूरत कहां रहती है? अगर हंसाना कोई खास गुण नहीं है, तो कोई दूसरे के हंसाने पर क्यों हंसेगा?

खो रही मौलिकता

पहले जब हम किसी के मौलिक हास्य से रूबरू होते थे, तो उसे एक खास प्रतिभा मानते थे, जो किसी-किसी को मिलती है। आज एआई ने इसमें भी एक तरह का संकट पैदा कर दिया है। कॉपी-पेस्ट कॉमेडी का खतरा बढ़ चला है। अगर आप गौर से सुनें तो एक हजार चुटकुलों में शायद ही दो-चार ऐसे आपको मिलेंगे, जिन्हें आपने पहले कभी न सुना हो। दरअसल, हास्य का यह मशीनीकरण बहुत गहरे अर्थों में हमें हास्य से धीरे-धीरे दूर कर रहा है क्योंकि मशीन चाहे जितना बढ़िया हास्य भाव या हास्य रस पैदा कर ले, हम इंसान कभी संतुष्ट ही नहीं होंगे, न ही कभी उसे किसी तरह का रचनात्मक कर्म मानेंगे।

हास्य का पर्सनलाइजेशन

हास्य की दुनिया में एआई का एक बड़ा प्रभाव यह भी है कि इसने हंसने की समूची प्रक्रिया का 'पर्सनलाइजेशन' कर दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हमारे व्यवहार, हमारी पसंदगी-नापसंदगी और हमारे देखने के ढंग पर इतनी बारीक निगाह रखती है कि जब वो हमें हास्य परोसती है, तो वही हास्य परोसती है, जिस पर हम हंसते हैं। लेकिन यह शुरू-शुरू में तो हंसाती है, बाद में एक ही जैसे कंटेंट देख-देखकर हम बोर होने लगते हैं। कहने का मतलब यह कि एआई का हास्य जितनी तेजी से आकर्षित करता है, उतनी ही तेजी से हमें विकर्षित भी करता है यानी मोहभंग भी उसी रफ्तार से होता है। क्योंकि एआई हमें एक खास तरह के ईको चैंबर में कैद कर देती है और यह इंसानी फितरत होती है कि वह किसी भी एकरसता से ऊब जाता है, चाहे फिर एकरसता उसकी कितनी ही पसंद की क्यों न हो? हास्य व्यंग्य के सामने एआई ने यही सबसे बड़ा खतरा पैदा कर दिया है कि थोक के भाव में जब किसी किस्म का हास्य तैयार होगा, तो वह कितने दिनों तक हंसा पाएगा या उसके हंसाने में कितने दिनों तक नयापन, ताजगी या अनोखापन रह पाएगा। आज के दौर का सबसे लोकप्रिय हास्य माध्यम मीम है। एआई ने मीम निर्माण को इतना मशीनीकृत कर दिया है कि कोई घटना घटती नहीं कि कुछ ही मिनट में हजारों, लाखों मीम्स तैयार हो जाते हैं। शुरू-शुरू में इस कौशल ने जरूर रोमांचित किया था। क्योंकि उसके पहले इंसान की रफ्तार इतनी तेज नहीं थी, लेकिन आज ये कौशल रोमांच नहीं कर रहा बल्कि कुछ ही देर में उबाने लगता है। एआई का हास्य के क्षेत्र में सबसे बड़ा खतरा यही है कि यह इसे डेड कॉमेडी बनाती जा रही है। *

एआई-लाफ्टर के पांच बड़े ट्रेंड

इंस्टेंट कॉमेडी: यह वो हास्य ट्रेंड है, जिसमें सेकेंडों में चुटकुले और मीम्स तैयार किए जाते हैं।
पर्सनलाइजेशन: आज एआई, हर व्यूवर और हर लिसनर को ध्यान में रखकर उसकी पसंद, नापसंद के मुताबिक हास्य तैयार करता है। यह अलग ही किस्म का हास्य अनुभव है।
ग्लोबल ह्यूमर: आज बाकी क्षेत्रों की तरह ही हास्य की दुनिया में भी भाषा और संस्कृति की सीमाएं टूट रही हैं।
एथिकल चैलेंज: पहले मजाक सिर्फ मजाक तक सीमित रहता था, वह अपमान की हद तक नहीं जाती थी, लेकिन आज एआई के प्रभाव में कॉमेडियन भी हास्य को अपमान की सीमा तक ले जाने में संकोच नहीं करते हैं।
ह्यूमन-एआई सहयोग: यह एक ऐसा भविष्य का कॉमेडी मॉडल है, जो अभी पूरी तरह से सामने नहीं आया है, मगर इसके कुछ-कुछ रूप रंग दिखने लगे हैं, जिससे पता चलता है कि ये बाकी सबसे ज्यादा मशीनी होगा।

लाफ्टर डोज से भरपूर
बेहतरीन कॉमेडी फिल्में

अपने शुरुआती दौर से ही हिंदी फिल्मों में कॉमेडी, दर्शकों का पसंदीदा जॉनर रहा है। इसीलिए कॉमेडी करने वाले एक्टर्स ही नहीं सीरियस एक्टर्स ने भी कई फिल्मों में कॉमेडी की। नए-पुराने दौर की कुछ बेहतरीन कॉमेडी फिल्मों पर एक नजर।

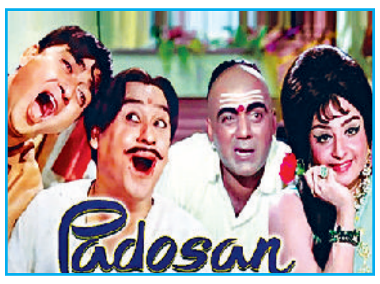

सिने ट्रेंड
अशोक वाधवाणी

रोजमर्रा की भाग-दौड़ और तनाव से कुछ देर राहत पाने के लिए अधिकांश दर्शक हिंदी कॉमिक फिल्में देखना खूब पसंद करते हैं। यही वजह है कि शुरुआती दौर से ही लाफ्टर के डोज से भरपूर एक से बढ़कर एक कॉमेडी फिल्में बनती रही हैं। ऑल टाइम फेवरेट कुछ कॉमेडी फिल्मों और एक्टर्स के बारे में यहां बता रहे हैं।

महमूद की कॉमेडी फिल्में: हिंदी सिनेमा के आरंभिक दौर में नाममात्र की कॉमेडी फिल्में बनती थीं। पुराने दौर के फेमस कॉमेडियन और वर्सेटाइल एक्टर महमूद ने फिल्मों में एक्टिंग के साथ-साथ कई कॉमेडी फिल्मों का निर्माण भी किया। इनमें प्रमुख हैं- 'छोटे नवाब', 'भूत बंगला', 'पड़ोसन', 'बॉम्बे टू गोवा' आदि। 'पड़ोसन' एक कल्ट क्लासिक कॉमेडी है, जो बॉलीवुड कॉमेडी मूवीज का माइलस्टोन है। उत्कृष्ट गीत-संगीत, संवाद के अलावा सुनील दत्त, किशोर कुमार, महमूद और सायरा बानो के बेहतरीन अभिनय का संगम है यह फिल्म। आज भी इस फिल्म का क्रेज कायम है।

किशोर कुमार की यादगार कॉमेडी मूवीज: बेहतरीन गायक और अभिनेता, किशोर कुमार ने भी कई कॉमेडी फिल्मों के माध्यम से दर्शकों को खूब हंसाया-गुदगुदाया। 'हाफ टिकट', 'चलती का नाम गाड़ी', 'दिल्ली का ठग', 'मिस्टर एक्स इन बॉम्बे', 'प्यार किए जा' ऐसी ही फिल्में हैं, जिनमें किशोर कुमार की नायक और गायक दोनों ही भूमिकाओं को दर्शकों का खूब प्यार मिला।

सीरियस डायरेक्टर्स की कॉमिक फिल्में: कॉमेडी फिल्मों के क्रेज को देखते हुए ही सीरियस फिल्में बनाने वाले कई डायरेक्टर्स ने भी कॉमेडी फिल्में बनाईं। हृषिकेश मुखर्जी ने पहले 'गोलमाल' (1979) बनाई जो हिट रही। फिर इसकी सक्सेस से प्रेरित होकर 'चुपके-चुपके', 'रंग-बिरंगी', 'खूबसूरत' जैसी कॉमेडी मूवी बनाकर ऑडियंस को चौंकाया। इसी तरह गुलजार की 'अंगूर' (1982) ऑल टाइम लाइक की जाने वाली कॉमेडी मूवी है। राजकुमार संतोषी की 'अंदाज अपना-अपना' (1994) बढ़िया कॉमेडी मूवी है।

कॉमेडी करने वाले सीरियस एक्टर: दिलीप कुमार जैसे सीरियस एक्टर ने भी 'राम और श्याम', 'गोपी' के अलावा 'आजाद' और 'कोहिनूर' में भी मीना कुमारी के साथ जमकर कॉमेडी की। 'खूबसूरत' में रेखा ने भी अपनी कॉमिक टाइमिंग का कमाल दिखाया। संजीव कुमार जैसे संजीदा अभिनेता ने 'मनचली', 'अपने रंग हजार', 'अंगूर' जैसी फिल्मों में अपनी स्वाभाविक शैली में खूब मनोरंजन किया। अशोक कुमार ने 'विक्टोरिया नंबर 203' में प्राण के साथ मिलकर जबरदस्त कॉमेडी की। इनके अलावा परेश रावल, पंकज त्रिपाठी, नवाजुद्दीन सिद्दिकी, नसीरुद्दीन शाह, ओम पुरी ने भी कई कॉमिक रोल किए हैं।

नए दौर की कॉमेडी फिल्में: हाल के दशकों में आई हिंदी कॉमेडी फिल्मों की बात करें तो निर्देशक प्रियदर्शन ने कुछ बेहतरीन कॉमेडी मूवीज बनाई हैं। 'हेरा फेरी', 'हंगामा', 'हलचल', 'दे दनादन' 'ढोल', 'चुप-चुपके' प्रियदर्शन की ऐसी ही फिल्में हैं, जिन्हें देखते हुए दर्शक लोट-पोट हो जाते हैं। कुछ अन्य फिल्म मेकर्स ने भी कमाल की कॉमेडी फिल्में बनाई हैं। कॉमेडी फिल्म 'धमाल' (2007) की दिलचस्प बात यह है कि फिल्म में कोई एक्ट्रेस नहीं है। 'चाची-420' में कमल हासन और 'आंटी नंबर वन' में गोविंदा लेडीज गेटअप में नजर आए हैं। इन दोनों फिल्मों ने भी दर्शकों को खूब हंसाया।

ये कॉमिक गाने भी हुए हिट: बॉलीवुड फिल्मों में ऐसे कई सॉन्ग्स भी बने हैं, जिनमें कॉमेडी का तड़का है। महमूद पर तो बड़ी संख्या में कॉमेडी गीत पिक्चराइज हुए हैं। 'पड़ोसन' का गीत 'एक चतुर नार, बड़ी होशियार...' को कौन भूल सकता है भला! इसी तरह 'नमक हलाल' का गीत 'पग घुंघरू बांध मीरा नाची थी...' मनोरंजक है। हाल के दौर में इस तरह के गीतों की बात करें तो 'साड़ी के फॉल सा...' (आर. राजकुमार), 'चिंता ता ता चित्ता चित्ता...' (राउडी राठौर), 'मां दा लाडला बिगड़ गया...' (दोस्ताना), 'चलाओ ना नैनों के बाण रे...' (बोल बच्चन) 'हट्टे-कट्टे, उल्लू के पट्ठे। एक ही थाली के चट्टे-बट्टे...' (चश्मे बद्दूर) आदि ऐसे लोकप्रिय गीत हैं, जो गुदगुदाते भी हैं।

क्लाइमैक्स में कॉमेडी: जिस तरह एक्शन फिल्मों का क्लाइमैक्स काबिले गौर होता है, ठीक वही बात कॉमेडी फिल्मों पर भी लागू होती है। निर्माता राज कपूर और निर्देशक राहुल रवैल की जोड़ी की मूवी 'बीवी-ओ-बीवी' के अंत में कार रेस के साथ, रणधीर कपूर द्वारा बाइक पर किया गया पीछा हंगामेदार है। कारों की ऐसी कलाबाजियां होती हैं, जिसे देखकर दर्शक अपनी हंसी रोक नहीं पाते। इसी तरह 'धमाल' (2007) में खजाना पाने की लालसा में सारे कलाकार एक-दूसरे को पछाड़ते हुए आगे निकलने के लिए जो तिकड़में लगाते हैं, वो कहकहे लगाने के लिए काफी हैं। 'वेलकम' (2007) में मधुमक्खियों के छत्ते का झुंड सभी कलाकारों पर आक्रमण करता है। उसके बाद जो भगदड़ मचती है, हंगामा होता है, वो देखने लायक है। प्रियदर्शन की 'हलचल' में अक्षय खन्ना और करीना कपूर के विवाह से पहले मंगलसूत्र को लेकर छीना-झपटी होती है। सबके बीच ऐसी भागदौड़ शुरू होती है कि दर्शक हंसते-हंसते लोट-पोट हो जाते हैं। *